HPL(High Pressure Laminate)
12mm For Toilet Cubicle

PRINCE POLO
Mob:8422984733

Carpenter's monthly newspaper

कारपेंटर्स न्यूज

R.N.I.No.MAHHIN/2005/16460 | Postel Regd. No. MCW/321/2022-24
Posted at Delisle Road, Mumbai-400013. On 20th of Every month | Published on Every 10 th day of the month

मासिक समाचार पत्र

मुंबई | अप्रैल 2022 | वर्ष : 17 | अंक : 05 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 2 रुपए

Since 1986
Suzu®
An ISO 9001:2015 Certified Company | ISI | CE Certified

36 Growing Years

INDIA'S 1ST STAINLESS STEEL SHACKLE Padlocks ...Series...

INDIA'S 1ST S.S HINGES MANUFACTURER Hinges ...Series...

NEW

HYDRAULIC BED LIFTER

STAINLESS STEEL
BUTT HINGES

STAINLESS STEEL
PADLOCKS

STAINLESS STEEL
SCREWS & NUT, BOLTS

SHUTTER & GODOWN LOCKS

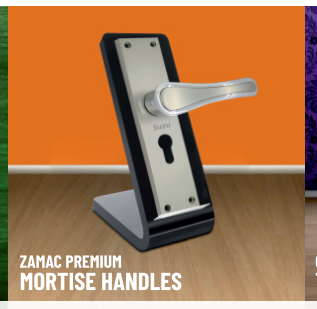

ZAMAC PREMIUM
MORTISE HANDLES

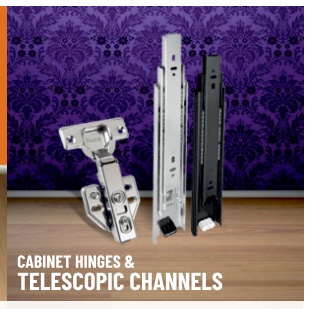

CABINET HINGES &
TELESCOPIC CHANNELS

Newly Launched

NEW

GRAPHITE HINGES

NEW

ALUMINIUM DOOR STOPPER

NEW

ALUMINIUM TOWER BOLTS

NEW

ALUMINIUM BABY LATCH

NEW

PULL HANDLE HOKY

NEW

MS SHUTTER MINI BOLT

FOR CARPENTERS & CONTRACTORS
MISSED CALL ON THIS NUMBER
+91-93151 93969
FOR REGISTERED YOURSELF TO KNOW MORE ABOUT COMPANY'S SPECIAL SCHEMES & BENEFITS.

MANUFACTURER, PAN INDIA MARKETING NETWORK & EXPORTERS LOCKS | HINGES | SCREWS | DOOR HARDWARE

Work At : 110 I.D.C. Hissar Road, Rohtak - 124001, Haryana
Regd./Corporate Office : 209-B, 2nd Floor Crown Heights, Rohini Sec. 10, New Delhi

Cont: +91-9811242777
+91-9911118272

www.suzusteel.com | www.suzu.in
Find us on :

CUSTOMER HELPLINE TOLL FREE NUMBER 1800 12000 4005
Time : 10 AM To 7 PM (Monday - Saturday)

Scan QR Code Download Product Range Catalogue

DISTRIBUTORS & DEALERS ENQUIRY SOLICITED

VOCAL FOR LOCAL

PADLOCKS | BUTT HINGES | TOWER BOLTS | SCREWS | ALDROPS | DOOR AND WINDOW FITTINGS | CABINET HINGES | DOOR CLOSER | MORTISE HANDLES | MPL LOCKS | SHUTTER LOCKS | GODOWN LOCKS | MAIN DOOR LOCKS

Our Global Associates : DUBAI | GERMANY | U.K. | NEPAL | BANGLADESH | BHUTAN | SRI LANKA | NIGERIA | KENYA | TANZANIA

फर्नीचर उद्योग को बढ़ावा देगा सीएफसी

महराजगंज। शासन की एक जनपद एक उत्पाद योजना को सफल बनाने और फर्नीचर व्यवसायियों, कारीगरों को अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कामन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) स्थापित करने की कवायद तेज हो गई है। इसके लिए भूमि चिह्नित की जा रही है।

सीएफसी से फर्नीचर उद्योग को जहां बढ़ावा मिलेगा, वहीं कारीगरों को आधुनिक तकनीकी जानकारी जनपद में ही उपलब्ध हो सकेगी। डीएम ने उपायुक्त उद्योग को सीएफसी के संदर्भ में सभी हितधारकों के साथ बैठक कर डीपीआर (डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट) प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। सीएफसी बन जाने से स्थानीय कारीगरों व व्यवसायियों को मेटेरियल बैंक, लकड़ी सिजनिग प्लांट, लकड़ी ट्रीटमेंट प्लांट व कामन प्रोडक्शन सेंटर जैसी सुविधाएं अत्यंत कम लागत पर जनपद में ही उपलब्ध होंगी, जिससे लकड़ी के कारीगर विश्वस्तरीय उत्पाद स्थानीय स्तर पर तैयार करने में सक्षम होंगे।

सीएफसी की स्थापना संचालन एवं रखरखाव के लिए एसपीवी से आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। एसपीवी का रजिस्ट्रेशन सेक्शन आठ कंपनी रजिस्ट्रार सोसाइटी के रूप में किया जा सकता है। एसपीवी के रूप में कोई भी ऐसी संस्था अपना रजिस्ट्रेशन करा सकती है, जिसमें न्यूनतम 20 सदस्य हों। संस्था सक्षम पंजीयन अधिकारी के यहां पंजीकृत होनी चाहिए। संस्था में कुल सदस्यों में न्यूनतम दो तिहाई सदस्य ओडीओपी उत्पाद से संबंधित होने चाहिए। संस्थान के संविधान में संबंधित उत्पाद से जुड़े हितधारकों तथा राज्य सरकार के एक प्रतिनिधि को सदस्य के रूप में शामिल करने का स्पष्ट प्रावधान होना चाहिए। संस्था के किसी भी सदस्य के पास संस्था के कुल शेयरों में से 10 प्रतिशत से अधिक शेयर नहीं होना चाहिए। योजना के अंतर्गत स्वीकृत की जाने वाली परियोजना के संचालन, प्रबंधन एवं रखरखाव का दायित्व संबंधित एसपीवी का होगा। उपायुक्त उद्योग अभिषेक प्रियदर्शी ने बताया कि सीएफसी की स्थापना संचालन एवं रखरखाव के लिए एसपीवी से आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं।

लकड़ी कारोबारी की अवैध संपत्ति पर चला बुल्डोजर

कासगंज। अपराधियों एवं माफियाओं पर योगी सरकार की चाबुक चलने लगा है। सरकारी संपत्तियों पर कब्जा हटाने के लिए बुल्डोजर गरजना शुरू हो गया है। सोरों कोतवाली क्षेत्र के गांव नगला टिंबर में लकड़ी कारोबारी की अवैध संपत्ति पर बुल्डोजर चला।

सरकारी संपत्ति पर अवैध रूप से निर्मित किए गए भवन गिराए गए। वर्ष 2019 में गांव नगला टिबर निवासी मोहम्मद उरुस ने ग्राम समाज की भूमि गाटा संख्या 322270 और 322221 पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया। कब्जे के बाद दोनों ही संपत्तियों पर भवन बना लिए। इसके बाद जब जानकारी प्रशासन को हुई तो पिछले साल अवैध कब्जाधारक को नोटिस देकर सरकारी जमीन खाली करने को कहा गया। उस पर 2271 रुपये का जुर्माना भी लगाया गया था, लेकिन कब्जा धारक अवैध कब्जा नहीं हटा रहा था। डीएम हर्षिता माथुर, एसपी बोत्रे रोहन प्रमोद के निर्देश पर एसडीएम सदर पंकज कुमार, सीओ सिटी डीके पंत, तहसीलदार अजय कुमार, लेखपाल प्रतीक राजस्व और पुलिस टीम के साथ अवैध निर्माण गिराने के लिए बुल्डोजर लेकर पहुंचे। यहां दोनों ही संपत्तियों पर निर्मित भवन गिराए गए। दो मंजिला मकान, दो दुकानें और एक बाउंड्रीवाल को गिराया गया। पुलिस प्रशासन की इस कार्रवाई से अवैध कब्जाधारकों में खलबली मची हुई है। ध्वस्त की गई संपत्ति का मूल्य लगभग 50 लाख रुप ये बताया जा रहा है। अवैध कब्जा हटाते समय कहीं विवाद के हालत न हो ऐसे में पुलिस, पीएसी बल की तैनाती की गई। गांव में सुबह से ही पुलिस पहुंचने लगी थी। पुलिस को देख गांव के लोग तरह-तरह की चर्चा कर रहे थे, लेकिन बाद में अफसरों के पहुंचने पर अतिक्रमण हटाया गया।

सागौन की हो रही अवैध कटाई

मोहखेड़। मोहखेड़, लावाघोघरी, जाखावाडी समेत वन परिक्षेत्र के जंगलों में इन दिनों बेशकीमती सागौन की अवैध कटाई जोरों चल रही है। जानकारी के मुताबिक जंगलों में सागौन के पेड़ों पर वन माफिया द्वारा कुल्हाड़ी चलाई जा रही है। सागौन की कटाई कर लकड़ियां विभिन्न जगहों पर पहुचाई जा रही है और अवैध फर्नीचर का निर्माण किया जा रहा है। इसकी जानकारी वन विभाग को होने के बाद भी वन विभाग द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। मोहखेड़ विकासखंड मुख्यालय समेत ग्रामीण क्षेत्रों में इन दिनों लगभग एक सैकड़ा से अधिक स्थानों पर अवैध फर्नीचर का निर्माण हो रहा है। यहां फर्नीचर का निर्माण कर औने, पौने दामों में बेचा जा रहा है। अचानक जंगलों की अवैध कटाई और फर्नीचर की दुकानों की भरमार हो जाने के कारण जांच की मांग उठने लगी है, लेकिन वन विभाग द्वारा फर्नीचर मार्ट की जांच नहीं करना सांठ-गांठ की ओर इशारा करता है।

प्लाईवुड फैक्ट्री में लगी आग

पूर्णिया। पूर्णिया के सदर थाना के बेलौरी स्थित मां भवानी प्लाईवुड की फैक्ट्री में भीषण आग लगने से करीब एक करोड़ रुपए की संपत्ति जलकर नष्ट हो गई। मीडिया खबरों के मुताबिक आग देर रात करीब 12 बजे लगी और इसने देखते ही देखते पूरी फैक्ट्री को अपनी चपेट में ले लिया। इस घटना में फैक्ट्री में रखा लाखों का प्लाईवुड, लकड़ी, फैक्ट्री की मशीनें और घर सब कुछ जलकर खाक हो गया। शार्ट सर्किट से आग लगने की संभावना जताई जा रही है।

गुजरात से लूटा गया लाखों रुपये का प्लाईवुड बरामद

वाराणसी। गुजरात के एक व्यापारी का लूटा गया 51 लाख 57 हजार 540 रुपये का प्लाइवुड थाना क्षेत्र के सरदरपुर गांव स्थित एक मकान से पुलिस टीम ने बरामद किया। साथ ही एक व्यक्ति को गुजरात पुलिस टीम हिरासत में लेकर पूछताछ में जुटी हुई है।

थानाध्यक्ष ने मीडिया को बताया कि आजगमगढ़ निवासी दिलीप सिंह ट्रक मालिक है और स्वयं ही चालक भी है। उसकी ससुराल सरदरपुर गांव में है। गुजरात के व्यवसाई ने उसके ट्रक के जरिए 51लाख 57 हजार 540 रुपये का प्लाइवुड नेपाल के लिए भेजा था। नेपाल माल न पहुंचने पर व्यवसायी द्वारा पुलिस को सूचित किया गया। इसके बाद गुजरात

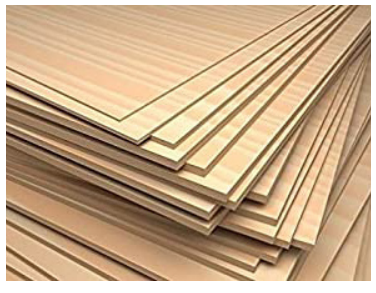

पुलिस द्वारा छानबीन शुरू की गई तो पता चला जिस ट्रक से माल भेजा गया था उसका मालिक जो चालक भी था और आजमगढ़ का रहने वाला है, बीच में ही पूरा माल लूट लिया। लूट की वारदात को अंजाम देते हुए वे बिरनो थाना के सरदरपुर गांव अपनी ससुराल पहुंचा और अपने रिश्तेदार द्वारा किराए पर लिए गए मकान में माल को छिपा दिया था।

गुजरात पुलिस और आजमगढ़ क्राइम ब्रांच तफ्तीश करते हुए गाजीपुर पहुंची और बिरनो की स्थानीय पुलिस टीम को लेकर छापेमारी करते हुए प्लाईवुड बरामद की। उन्होंने बताया कि चालक फरार है। ऐसे में गुजरात पुलिस ने उसके साले को हिरासत में लेकर पूछताछ में जुटी हुई है। फिलहाल गुजरात पुलिस बरामद माल को वापस ले जाने की कवायद में जुटी हुई है।

कारीगरों ने की 90.57 करोड़ की कमाई

दिल्ली। सरकार ने संसद को बताया कि अभी तक 28.403 हस्तशिल्प कारीगरों को सरकारी ई-मार्केट (जीईएम) पोर्टल से जोड़ा गया है और इसके माध्यम से 90.57 करोड़ रुपए की बिक्री हुई है।

कारपेंटर को आतंकियों ने मारी गोली

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में आतंकवादियों ने यूपी के रहने वाले एक कारपेंटर को गोली मारकर घायल कर दिया। मीडिया खबरों के मुताबिक रात करीब 9:10 बजे 40 वर्षीय मोहम्मद अकरम को गोली लगी। इसके बाद तुरंत उसे एक नजदीकी अस्पताल ले जाया गया और फिर यहां के एसएमएचएस अस्पताल, श्रीनगर स्थानांतरित कर दिया गया। अधिकारी ने बताया कि अकरम उत्तर प्रदेश के बिजनौर का रहने वाला है। फिलहाल वह पुलवामा के अरिहल में रहता है। गौरतलब है कि घाटी में पिछले साल भी यूपी निवासी एक कारपेंटर की गोली मारकर आतंकियों ने हत्या कर दी थी।

पोपलर लकड़ी के दाम बढ़ने से प्लाईवुड इंडस्ट्री पर असर

यमुनानगर। पोपलर उत्पादक किसानों की इस समय बल्ले-बल्ले हो रही है, क्योंकि पोपलर के दाम आसमान छू रहे हैं। पहले जहां इसके रेट 500 से 600 रुपये तक रहते थे। अब यह दोगुने से भी अधिक बढ़ चुके हैं। माल की आवक कम है। आढ़ती इसकी वजह गेहूं कटाई का सीजन होने को बता रहे हैं। जिस वजह से पोपलर की कटाई करने वाले मजदूर अब गेहूं की कटाई में लगे हुए हैं। एक वजह यह भी है कि एक महीने से पोपलर के दाम रोजाना बढ़ रहे हैं। जिन किसानों के खेतों में पोपलर तैयार था। वह उसे कटवा चुके हैं। जिससे मंडी में माल कम आ रहा है।

पोपलर के दामों में वृद्धि से उत्पादक किसान उत्साहित हैं, लेकिन इसका सीधा-सीधा

असर प्लाईवुड के दामों पर पड़ रहा है। हाल ही में प्लाईवुड व्यापारियों ने प्लाई के दामों के दस प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की है। वहीं पोपलर के दाम इस समय 1400 से 1500 रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंच गए हैं। माल कम होने की वजह से यह दाम बढ़े हुए हैं। पहले जहां लक्कड़ मंडी में रोजाना 500 से 600 ट्रालियां पहुंचती थी। अब यह घटकर 250 से 300 ट्रालियां तक पहुंच गई है।

पोपलर के बढ़े दामों का असर इस बार नर्सरी पर भी पड़ा है। पोपलर की नौ व दस प्रजाति की खूब बिक्री हुई। किसानों का यह मानना है कि अब पोपलर के दाम इसी तरह से हाई रहेंगे। पोपलर की नौ व दस प्रजाति जल्दी तैयार हो जाती है। जिन किसानों ने पोपलर की खेती छोड़ दी थी। वह भी अब दाम बढ़ने के बाद दोबारा लगा रहे हैं।

कई राज्यों से आता है माल

जिले में यमुनानगर में मंडौली में लक्कड़ मंडी है। जगाधरी में मानकपुर में लक्कड़ मंडी है। इन दोनों मंडियों में जिले के साथ-साथ उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड व पंजाब से भी पोपलर आता है, क्योंकि यहां प्लाईवुड हब है। प्लाईवुड की करीब एक हजार यूनिट यहां पर है। जिसमें पोपलर की खपत होती है। यहां से तैयार देश के विभिन्न हिस्सों सहित विदेशों तक जाती है। इस समय माल की आवक कम है। रेट भले बढ़ गए हो, लेकिन इसका असर प्लाईवुड इंडस्ट्री पर भी पड़ेगा। यदि माल नहीं मिला, तो कई इंडस्ट्री में काम रोकना पड़ सकता है। हालांकि प्लाईवुड व्यापारी भविष्य के लिए स्टाक रखते हैं। जिससे फैक्ट्रियां चलती रहे।

RNI NO. MAHHIN/2005/16460

कारपेंटर्स न्यूज

हमें फॉलो करें : Facebook.com/carpentersnews | twitter.com/carpentersnews1 | Telegram: https://t.me/carpenters_news
संपर्क करें : Mo. 9320566633 | Email: carpentersnews@gmail.com | ईपेपर : http://cwaindia.org/ePaper/

मुंबई | अप्रैल 2022 | वर्ष : 17 | अंक : 05 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 2 रुपए

भाजपा के टिकट पर कारपेंटर बना विधायक

पिथौरागढ़। गंगोलीहाट विधानसभा से चुनाव जीते विधायक फकीर राम टम्टा ने जीवन के शुरुआती दौर बेहद गरीबी में गुजारे। घर की आर्थिक स्थिति ठीक न होने से परिवार के भरण पोषण के लिए उन्होंने कारपेंटर का काम करना शुरू किया। यही काम वह आज भी करते हैं। गंगोलीहाट से नवनिर्वाचित विधायक फकीर राम टम्टा ने कारपेंटर से विधायकी का सफर तय किया है।

युवावस्था से ही रहा भाजपा से जुड़ाव

फकीर राम टम्टा वही प्रत्याशी हैं, जिन्हें टिकट देने के लिए बीजेपी ने सीटिंग विधायक मीना गंगोला का टिकट काट दिया था और ये फैसला सही साबित हुआ। गंगोलीहाट सीट पर बीजेपी प्रत्याशी फकीर राम टम्टा ने 9,538 वोट से जीत दर्ज की। उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी खजान चंद्र गुड्डू को हराया। चौडमन्या कस्बे नगौर गांव निवासी फकीर राम टम्टा का शुरुआती दौर बेहद मुश्किल भरा रहा। घर की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के चलते वो कारपेंटर का काम करने लगे। आज भी उनकी कारपेंटर की दुकान हल्द्वानी में है। इस बीच वो बीजेपी से जुड़ गए। साल 2008 में वो जिला पंचायत सदस्य बने। संगठन के द्वारा उन्हें समय समय विभिन्न पदों की जिम्मेदारी दी, जिसको उन्होंने बखूबी निभाया। वर्ष 2008 के पंचायत चुनावों में चौखुना सीट से भाजपा ने जिला पंचायत सदस्य का टिकट दिया और जीत हासिल की। पंचायत

फल उन्हें मिला है। में चुनाव जितने के बाद फकीर राम टम्टा ने ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी पकड़ मजबूत बनाई। 2012 और 2017 में गंगोलीहाट विधानसभा से विधायक के लिए दावेदारी की लेकिन अंतिम चरण में टिकट नहीं मिल पाया। लेकिन उसके बाद भी वह लगातार संगठन के कार्यों में लगे रहे और वह ग्रामीणों के बीच बने रहे। उन्होंने कोरोना काल मे हर गांव में जाकर लोगों की मदद की और वह लोगों के दिलों में जगह बनाने मे कामयाब हो गये जिसका

कारपेंटर का बेटा बना स्टेट टॉपर

नवादा। चेन्नई में कारपेंटरी का कार्य कर रहे शत्रुघन मिस्त्री के पुत्र सौरव कुमार ने विज्ञान संकाय में स्टेट टॉपर किया है। सौरव की इस उपलब्धि पर उसके माता पिता काफी खुश हैं। सौरव के पिता शत्रुघन मिस्त्री ने बताया कि मेरा बेटा बिहार का टॉपर बना यह मेरे लिए गर्व की बात है। उन्होंने बताया कि सौरव घर पर काफी मेहनत करता था। वह रात में काफी देर तक पढ़ता रहता था। अपनी सफलता पर सौरव ने बताया कि शिक्षक एवं माता पिता का काफी सहयोग मिला है। उसने बताया कि पढ़ाई के लिए सभी विषयों की अलग अलग कैटेगरी तैयार की और सभी के लिए अलग अलग समय निर्धारित किया।

बिहार में टॉप 10 में आने का लक्ष्य था, इसलिए प्रतिदिन 10-12 घंटे पढ़ाई पर ध्यान दिया। सौरव कुमार मैट्रिक में भी जिला टॉपर था और 476 अंक प्राप्त हुआ था। गौरतलब हो कि काशीचक प्रखंड के उपरावां गांव का रहने वाला सौरव कुमार केएलएस कॉलेज का छात्र है। उसने साइंस में 472 अंक प्राप्त पर बिहार राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। सौरव की ग्रेजुएशन सेंट्रल यूनिवर्सिटी से करना चाहता है। उसका लक्ष्य यूपीएससी करने की है।

राजल का 91वां जन्मदिन मनाया गया

अंबाला। श्री विश्वकर्मा युवा संगठन अंबाला शहर के सदस्यों ने समाचार पत्र विश्वकर्मा दूत के संपादक व वरिष्ठ समाजसेवी पी. आर. राजल का 91वां जन्म दिन मनाया। उनके कार्यालय में शुभकामनायें देते हुए केक काटा एवं सरोपा भेंट कर उनकी लंबी आयु की कामना की।

युवा संगठन के प्रधान गगन धीकान ने कहा कि पी. आर. राजल का नाम विश्वकर्मा समाज के सर्वोच्च गणमान्य व्यक्तियों में से एक है। राजल काफी अर्से से विश्वकर्मा दूत समाचार पत्र के माध्यम से अपनी कौम का प्रचार कर रहे हैं। समाज के लोगों को भी चाहिए कि वे इस अखबार के लिए ज्यादा से ज्यादा सहयोग दें। राजल युवाओं के लिए भी बहुत बड़े मार्गदर्शक हैं। इस अवसर पर प्रधान गगन धीमान के साथ राजकुमार धीमान, गुरचरण धीमान, राधेश्याम धीमान, सचिन धीमान, राजेन्द्र धीमान, रामचन्द्र धीमान, लक्की धीमान, प्रवीन धीमान, राकेश धीमान, विरेन्द्र गहीर, प्रदीप धीमान, तेजिन्द्र धीमान, अशोक धीमान, कुलविन्द्र धीमान, गगन देवगन, वरूण धीमान, जगदेव धीमान, अजय लोहार सहित कई लोग उपस्थित रहे।

पी आर राजल ने अपना जन्मदिन पुलिस लाइन के मथुरा नगर में वरिष्ठ नागरिकों के साथ केक काटकर मनाया। इस अवसर पर उनके पुत्र ब्रह्मस्वरूप स्टाफ के जगदीप सिंह, राजेश कुमार, विपिन भाटिया भी उपस्थित रहे। राजल के परिवार की ओर से वरिष्ठ नागरिकों के लिए भोजन का भी प्रबंध किया गया। उन्होंने बताया कि 1990 से वे अपना जन्मदिन वरिष्ठ नागरिकों के साथ मनाते आ रहे। रेलवे में नौकरी करने के दौरान उन्होंने संकल्प लिया कि सेवा निवृत्त के बाद समाज की सेवा करनी है। उन्हें बचपन से ही सेवा करने का भाव अपने माता पिता से मिला। उन्होंने बताया कि विश्वकर्मा समाज के लिए पूरे देश का भ्रमण कर समाज को एकजुट किया। उन्होंने कहा कि जब तक जीवन है समाज की सेवा करता रहूंगा। उन्होंने विश्वकर्मा दूत पाक्षिक समाचार पत्र की शुरुआत 30 वर्ष पूर्व की थी। जिसमें सिख धर्म के इतिहास, गुरुद्वारा साहिब बादशाही बाग, मंजी साहिब, नादेड साहिब, पोंटा साहिब, चमकौर साहिब, महाराजा जस्सा सिंह रामगढ़िया, भाई लालू आदि के विस्तृत श्रृंखला लिखी थी।

श्री विश्वकर्मा धीमान सभा फगवाड़ा की बैठक

फगवाड़ा। श्री विश्वकर्मा धीमान सभा फगवाड़ा की जनरल मीटिंग सभा के प्रधान बलवंत राय धीमान की अध्यक्षता में शिरोमणी श्री विश्वकर्मा मंदिर, बंगा रोड फगवाड़ा में हुई। जिसमें सभा के जनरल सचिव गुरनाम सिंह जूतला ने श्री विश्वकर्मा जयंती महा उत्सव का हिसाब किताब प्रस्तुत किया।

श्री बलवंत राय धीमान ने सभा के सदस्यों को मंदिर और चैरिटेबल अस्पताल में लोगों की भलाई के लिए हुए कामों के बारे में बताया। उन्होंने जानकारी दी कि श्री विश्वकर्मा चैरिटेबल अस्पताल की तरफ से आंखों का निः शुल्क शिविर का आयोजन गांव अराइयां में 13 अप्रैल को होगा। जिसकी सेवा पनेसर परिवार (यू. के. कनाडा) की तरफ से की जायेगी। सभा के सदस्यों ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान का धन्यवाद किया, जिनकी आम आदमी पार्टी में 6 रामगढिया धीमान विश्वकर्मा वंशी विधायक चुने गए हैं। जिनमें कुलतार सिंह संधवा पंजाब विधानसभा के अध्यक्ष चुने गए हैं। इस अवसर पर सभा के सीन. वाइस प्रधान सुरिन्दर पाल धीमान, प्रदीप धीमान, विक्रमजीत चग्गर, बख्शीस राम धीमान, रमेश धीमान, जसपाल सिंह लाल, सूरज धीमान, अशोक धीमान, भूपिंदर सिंह जंडू, सुखवंत सिंह घटोड़ा, सुरिन्दर सिंह कलसी, जगदेव सिंह कुन्दी, नरिन्दर सिंह ट्टर, पलविन्दर विर्दी, धीरज धीमान और आफिस सचिव बलविन्दर सिंह रत्न आदि उपस्थित रहे।

विश्वकर्मा एकीकरण अभियान का होली मिलन समारोह

कानपुर। विश्वकर्मा एकीकरण अभियान की ओर से सरसैया घाट पर सर्व विश्वकर्मा महासभा व हॉस्पिटैलिटी एसोसिएशन ऑफ यू.पी. के संयुक्त तत्वाधान में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ सृष्टिकर्ता भगवान विश्वकर्मा के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित के साथ किया गया। अरूणा शर्मा, चंदा विश्वकर्मा, मालती विश्वकर्मा, जयंती शर्मा,

पूजा शर्मा, ज्ञानेश्वरी शर्मा के गीतों, कविताओं और भजनों की प्रस्तुति से उपस्थित जनसमुदाय मंत्रमुग्ध हो गया। विश्वकर्मा एकीकरण अभियान के राष्ट्रीय संचालक एवं हॉस्पिटैलिटी एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष डा. गयाप्रसाद शर्मा पांचाल ने मेले में उपस्थित सभी बंधुओं का स्वागत किया तथा सर्व विश्वकर्मा महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल शर्मा ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अभियान के शिविर प्रभारी कृष्णमुरारी विश्वकर्मा, सुनील शर्मा, सुरेश गुप्त, प्रदीप शर्मा, आर.के. सेठी, मूलचंद धीमान, महेश्वर प्रसाद श्रीवास्तव, इन्द्ररजीत सिंह, हेमन्त शर्मा, डा. ओमप्रकाश शर्मा, मनोज भाटिया, अनिल शर्मा, संतोष विश्वकर्मा, विपुल,अतुल शर्मा आदि सहित बड़ी संख्या लोग मौजूद रहे।

ओबीसी अधिकार तिरंगा यात्रा में बाइक रैली

जम्मू। जम्मू शहर के जानीपुर हाइकोर्ट चौक से प्रेस क्लब तक सभी ओबीसी संस्थाओं ने मिलकर जम्मू कश्मीर में मंडल कमीशन अनुसार अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण लागू कराने के लिए ओबीसी अधिकार तिरंगा यात्रा -3 के तहत बाइक रैली का आयोजन किया। हर पड़ाव पर रैली का स्वागत हुआ और चाय पानी परोसा गया।

न्यू प्लाट जम्मू के विश्वकर्मा मंदिर व श्री विश्वकर्मा लाइब्रेरी के सदस्यों ने भी रैली का स्वागत किया और पानी परोस कर रैली को समर्थन दिया। इनमें रमेश अंगोत्रा, बलवंत कटारिया, महेंद्र लाल, जोगिंदर अंगोत्रा, रत्न लाल, सतीश कोतवाल, चमन पंथी आदि शामिल रहे। रैली की अगुवाई ओबीसी महासभा के संयोजक बंसी चौधरी ने किया। रैली में आल इंडिया बैकवर्ड क्लास फैडरेशन के अध्यक्ष ऐफ.सी सत्तिया और सुरिंदर प्रजापति भी शामिल हुए। ऐसी ही पहली यात्रा जम्मू से कठुआ तक, दूसरी जम्मू से खौड़- पलांवाला तक आयोजित गई थी। चौथी यात्रा जम्मू से राजौरी पुंछ तक आयोजित की जायेगी। ओबीसी नेताओं ने कहा कि ओबीसी अधिकार यात्रा का क्रम तब तक जारी रहेगा, जब तक सरकार हमारी 27 प्रतिशत आरक्षण की मांग पूरी नहीं करती ।

श्री विश्वकर्मा चैरिटेबल हॉस्पिटल की ओर से निःशुल्क नेत्र जांच शिविर

फगवाड़ा। श्री विश्वकर्मा चैरिटेबल हॉस्पिटल ट्रस्ट फगवाड़ा में अमृत और अजीत

चैरिटेबल ट्रस्ट लिमिटेड यूके के सहयोग से निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। श्री विश्वकर्मा चैरिटेबल हॉस्पिटल ट्रस्ट फगवाड़ा के नेत्र रोग विशेषज्ञ डा. नीतीश नारंग और डा. अमित शर्मा ने करीब 400 नेत्र रोगियों की जांच की और जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क दवाएं दी। अमृत और अजीत चैरिटेबल ट्रस्ट लि. यूके ने रोगियों और संगतों को लंगर सेवा प्रदान की। अस्पताल ट्रस्ट के अध्यक्ष बलवंत राय धीमान ने नेत्र शिविर लगाने के इच्छुक धार्मिक व सामाजिक संगठनों से अस्पताल कार्यालय में संपर्क करने की अपील की। इस अवसर पर श्री विश्वकर्मा धीमान सभा फगवाड़ा के उपाध्यक्ष सुरिंदर पाल धीमान, रमेश धीमान, जसपाल सिंह लाल, सुखवंत सिंह घटोरा और कार्यालय सचिव बलविंदर सिंह रतन मौजूद रहे।

विश्वकर्मा जन कल्याण समिति ने मनाई होली

कानपुर। विश्वकर्मा जनकल्याण समिति कल्यानपुर की ओर से 17 वां होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। अध्यक्ष प्रदीप शर्मा के द्वारा भगवान विश्वकर्मा का पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम के शुभ अवसर पर बुजुर्गों, महिलाओं को शॉल एवं बच्चों को पुरस्कार भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सुनीता विश्वकर्मा को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन समिति के सचिव प्रेमचन्द्र विश्वकर्मा व उपसचिव गोविन्द शर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर बृजेन्द्र, शिवफल शर्मा, सुरेश शर्मा, रवीन्द्र, नन्दलाल, शेखर, रमाशंकर, ओमप्रकाश, कुलदीप, आशीष, योगेन्द्र शर्मा, काशीनाथ शर्मा आदि सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

NIKHIL
Mahacol®
The Right Adhesive
महाकोल
जलवीर
Coverage: 48 – 53 sq. ft / kg
Ye Toh Chipak Gaya
55
POUCHES
OF 800g
बेहतरीन कवरेज
वॉटर प्रूफ एडहेसिव
महाकोल जलवीर के साथ पाए
कटर फ्री
Mahacol
jalveer
Mahacol
HEATFIT
HEAT PROOF ADHESIVE
ON FULL DRUM
GET RS.550 + RS.15 PER POUCH WITH
1 ATOOT BANDHAN POINT OR
CUTTER MACHINE
ON 1L PACK, GET RS.15
AND 1 ATOOT BANDHAN POINT
ON 800g POUCH
GET RS.15 CASH AND
1 ATOOT BANDHAN POINT
VALUE UPTO RS.20.

Since 1986

Suzu

An ISO 9001:2015 Certified Company | CE Certified

विजय कुमार दत्ता
सी.ई.ओ.

सी.ई.ओ. संदेश

सुजू स्टील (इण्डिया) भारत की उन प्रमुख कंपनियों में से एक है, जिन्होंने लॉक्स और डोर हार्डवेयर फिटिंग्स के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाई है। सुजू ब्रांड की स्थापना 1986 में हरियाणा के रोहतक में श्री सुशील बंसल और श्री बृजभूषण बंसल के मार्गदर्शन में हुई थी। कंपनी ने विनिर्माण संयंत्रों को जोड़ने के साथ-साथ पूरे देश के बाजार में प्रवेश करने के मामले में जबरदस्त प्रगति की है। हमें यह देखकर गर्व हो रहा है कि श्री अनिमेष बंसल, (निदेशक) और श्री सचिन बंसल, (निदेशक) दोनों भारत में सूजू ब्रांड के भविष्य के बारे में बहुत प्रगतिशील और सकारात्मक हैं। पिछले कुछ वर्षों के दौरान उनकी मार्गदर्शक शक्ति से, कंपनी ने 400 से अधिक वितरक विकसित किए हैं और 20000 से अधिक डीलरों के साथ सम्बन्ध स्थापित किया है। 'सुजू स्टील' सरकारी विभाग, बिल्डर्स और व्यापारिक संस्थानों के क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन कर रही है। पिछले 5 वर्षों के दौरान कंपनी ने दुनियाभर में निर्यात के क्षेत्र में विभिन्न श्रेणियों में विस्तार किया है। 'सुजू' का अर्थ है गुणवत्ता और व्यापार में वृद्धि। सुजू स्टील ने व्यापारिक संस्थानों, सरकारी विभागों और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सराहनीय कार्य किया है हम अपनी गुणवत्ता, सेवाओं में निरंतर सुधार कर रहे हैं और दुनिया भर में अपने नेटवर्क को बढ़ा रहे हैं। 'सुजू स्टील' अगले 5 वर्षों में भारत के उच्च श्रेणी के 4 हार्डवेयर ब्रांडों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने का लक्ष्य लेकर चल रही है। हम अपने सभी ग्राहकों, व्यापार भागीदारों और उपभोक्ताओं को 'सुजू' ब्रांड के ताले और डोर हार्डवेयर उत्पादों पर विश्वास व समर्थन देने के लिए धन्यवाद देते हैं।

36 Growing Years

सफलता का मंत्र

"हमारी पूरी सेल्स और एडमिन टीम उपभोक्ता को संतुष्टि प्रदान करने के लिए सर्वोत्तम गुणवत्ता और सेवाएं देने में विश्वास करती है।
यही हमारी सफलता का मंत्र है।"

विजय कुमार दत्ता 'सी.ई.ओ.'

~ Our Global Associates ~

DUBAI | GERMANY | U.K. | NEPAL | BANGLADESH | BHUTAN | SRI LANKA | NIGERIA | KENYA | TANZANIA

www.suzusteel.com | www.suzu.in

कारपेंटर पृथ्वी का पहला उद्यमी

ऐसा कोई गांव नहीं जहां आपको माइक्रो स्तर का कारपेंटर नहीं मिले। अतः इसे हमें रोजगार के सबसे सुलभ प्राकृतिक अवसर के रूप में चिन्हित करना होगा। हमें कारपेंटरी ज्ञान को एक इंजीनियरिंग ज्ञान एवं शिक्षा के रूप में रेखांकित करना पड़ेगा। जब तक हम इसे इंजीनियरिंग ज्ञान एवं शिक्षा के रूप में रेखांकित नहीं करेंगे हम अपना दृष्टिकोण इसके उत्थान के लिए बदल नहीं सकते। फिर इसे एक औपचारिक उद्योग के रूप में चिन्हित करना होगा क्योंकि पूरे देश में सबसे बड़े और प्राचीन कुटीर उद्योग के विस्तृत नेटवर्क के रूप में यही है।

कोरोना के बाद इकॉनमी फिर से रीस्टार्ट मोड में है। श्रमिक एवं कारीगर बड़ी संख्या में अपने मूल स्थानों पर जा चुके हैं। बहुत से उसमें से एवं अन्य युवा एवं उद्यमी भी अब उद्यम एवं रोजगार के विकल्प के रूप में सोच रहें हैं। हम चर्चा करते हैं एक ऐसे उद्योग की जो इस पृथ्वी का पहला यांत्रिक उद्योग है और जो इस कोरोना के बाद ग्रामीण व कस्बे स्तर पर सबसे अधिक संभावनाएं लिए हुए है। लेकिन अभी तक औपचारिक दृष्टि से अछूता है जबकि विदेशों में बकायदे इसके लिए संस्थान है। कारपेंटरी उद्योग सभ्यता के शुरूआत से ही जब समूहों में रहना प्रारंभ हुआ और लोग घरों में रहना प्रारंभ किये तभी से लकड़ियों के विभिन्न प्रयोगों के रूप विकसित हुए और कारपेंटरी उद्योग की शुरूआत हुई। सभ्यता का पहला अविष्कार है पहिया, तो सभ्यता के शुरूआत में जो यह अविष्कार हुआ वह फर्नीचर उद्योग का एक उदाहरण है। जबकि इतने हजारों साल के आस्तित्व से लेकर आज तक भारत में इसका कोई भी औपचारिक संस्थान नहीं है, सिवाय प्रयागराज में एक कारपेंटरी इंस्टिट्यूट के। जबकि अन्य यंत्र ज्ञान के आपको शिक्षण संस्थान मिल जायेंगे, लेकिन वह यंत्र शिक्षा जिसने हमारे जीवन, विकास और सभ्यता को आधार दिया उसका औपचारिक होना अभी बाकी है।

आज भी देश में सबसे पुराना और प्रमाणिक यंत्र प्रयोग वाला कुटीर उद्योग कारपेंटरी उद्योग ही है। आपको भारत के हर गांवों में एक कारपेंटर मिल जायेगा जो अपना कारपेंटर कारखाना चला रहा होगा, थोड़ा आगे बढ़ेंगे तो कस्बे में आपको 10 से 12 कारखाने और मिल जायेंगे, थोड़ा और आगे बढ़ेंगे तो जिले में 20 से 25 और मिल जायेंगे और जब बड़े शहरों में बढ़ेंगे तो सैकड़ों मिल जायेंगे। इतना बड़ा कुटीर उद्योग का जाल होने पर भी आज भी यह कौशल या तो पिता द्वारा पुत्र को या उस्ताद द्वारा अपने चेले के माध्यम से आग बढ़ रहा है। इस यंत्र चालित मानवीय सभ्यता की सबसे पुराने उद्यम को अगर थोड़ा पॉलिश किया जाय तो बड़े पैमाने पर रोजगार एवं इनके आय में वैल्यू एडिशन किया जा सकता है। आज भी महानगरों में किसी भी कार्यालय या घरों के इंटीरियर के काम में आत्मा इन्हीं कारपेंटर की रहती है लेकिन इसकी सारी मलाई इंटीरियर डेकोरेटर ले जाता है, जबकि वह सारा काम कारपेंटर एवं इसके एलायड उद्यम ही करते हैं। इसके एलायड उद्यम में इलेक्ट्रीशियन के लिए इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग का कोर्स है, पेंटिंग के लिए कुछ पेंट कम्पनियों ने औपचारिक शिक्षा भी शुरू की है, लेकिन कारपेंटर के लिए कोई शिक्षण संस्थान नहीं है, जबकि इंटीरियर एवं फर्नीचर उद्योग का यह मूल आधार है।

अमेरिका और यूरोप ने इस प्राचीन यंत्र ज्ञान एवं उद्योग की महत्ता को पहचाना है और बकायदे इसके लिए कारपेंटरी इंस्टिट्यूट हैं। अब जरुरत है भारत में इस कौशल और यंत्र चालित उद्यम के लिए औपचारिक शिक्षण संस्थान चालू करने की क्यों की मौजूदा कुशल कारीगरों के अलावा बड़े पैमाने पर नवयुवा हैं जो रोजगार के लिए खड़े हैं। यदि हम आज ही इस पर एक ठोस नीति बना एक कारपेंटर संस्थान की परिकल्पना को साकार करते हैं तो सिर्फ हम मौजूदा स्किल को एक सूत्र में पिरोकर इनका पलायन ही नहीं रोकेंगे, बड़े पैमाने पर नवयुवाओं को कारपेंटर उद्यम, एक रोजगार अवसर एवं स्व उद्यमशीलता के रूप में विकल्प मिलेगा।

इसके लिए सबसे पहले हमें कारपेंटरी ज्ञान को एक इंजीनियरिंग ज्ञान एवं शिक्षा के रूप में रेखांकित करना पड़ेगा। जब तक हम इसे इंजीनियरिंग ज्ञान एवं शिक्षा के रूप में रेखांकित नहीं करेंगे हम अपना दृष्टिकोण इसके उत्थान के लिए बदल नहीं सकते। फिर इसे एक औपचारिक उद्योग के रूप में चिन्हित करना होगा क्योंकि पूरे देश में सबसे बड़े और प्राचीन कुटीर उद्योग के विस्तृत नेटवर्क के रूप में यही है। ऐसा कोई गांव नहीं जहां आपको माइक्रो स्तर का कारपेंटर नहीं मिले। अतः इसे हमें रोजगार के सबसे सुलभ प्राकृतिक अवसर के रूप में चिन्हित करना होगा। इसे औपचारिक रूप देने हेतु हमें इनके कौशल ज्ञान एवं अनुभव के आधार पर सर्टिफिकेट डिप्लोमा या डिग्री आधारित शिक्षा लानी पड़ेगी। इसके लिए कारपेंटरी ज्ञान एवं रोजगार की उपयोगिता को देखते हुए एक समर्पित संस्थान खोला जाना चाहिए। दरअसल कारपेंटरी ज्ञान एक प्रकार का इंजीनियरिंग ज्ञान है एवं रोजगार में इसकी तीव्र उपयोगिता को देखते हुए एक समर्पित संस्थान खोला ही जाना चाहिये जो कक्षा 12 वीं के बाद ही इस कोर्स के प्रति रोजगार एवं आय की संभावनाओं को देखते हुए युवाओं को आकर्षित करे। इस डिग्री की शिक्षा के अलावा सर्टिफिकेट एवं डिप्लोमा कोर्स को डेवलपमेंट मिशन पोलिटेक्निक या आईटीआई से सम्बद्ध कारपेंटरी इंस्टिट्यूट के माध्यम से दिया जा सकता है। इसकी रूप रेखा में विश्वविद्यालय या AICTE के तहत कारपेंटरी डिग्री कोर्स को डिजाईन किया जाना चाहिये, जिसमें कारपेंटरी एवं इसके सहायक विषयों का समावेश हो। इस डिग्री कोर्स हेतु बकायदे एक कारपेंटरी इंस्टिट्यूट भी खोला जाय। कारपेंटरी इंस्टिट्यूट के अलावा इस कोर्स को मौजूदा इंजीनियरिंग पाठयक्रम में भी शामिल कर इसे इंजीनियरिंग कॉलेज में भी इलेक्ट्रिकल मेकनिकल की तरह एक विभाग माना जाय और वहां भी इसकी शिक्षा दी जाय। इस कोर्स को इंटीरियर डिजाइनिंग कोर्स से स्वतंत्र रखा जाय, क्योंकि एक कारपेंटर तो इंटीरियर डिजाइनर बन सकता है लेकिन एक इंटीरियर डिजाइनर कारपेंटर नहीं बनता है। इस डिग्री की शिक्षा के अलावा सर्टिफिकेट एवं डिप्लोमा कोर्स के लिए पाठ्यक्रम का निर्माण भारत सरकार के स्किल डेवलपमेंट मिशन द्वारा किया जाय, जिसमें कारपेंटरी एवं इसके सहायक विषयों का समावेश हो। इस बात का ध्यान रखते हुए की यह ज्ञान देश में फैले ऐसे करोड़ों उद्यमियों को देना है जो पहले से ही इस कार्य को कर रहें हैं बस थोड़े से हेल्प और पॉलिश ज्ञान से एक बड़ा वैल्यू एडिशन करना है।

भारत सरकार की पहले से एक योजना इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ स्किल (IISD) है, वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार कारपेंटरी एवं अलायड हुनर इसके कोर्स में नहीं है। इसी इंस्टिट्यूट में कारपेंटरी एवं अलायड का कोर्स पहले शामिल किया जाय। कोर्स में शामिल करने के पश्चात विकेंद्रीकृत कारपेंटर इंस्टिट्यूट को इससे सम्बद्ध कर खोला जाए। प्रवासी, निवासी एवं अन्य इच्छुक अभ्यर्थी निम्न आय वर्ग वाले होंगे, अतः इनका प्रदेश के अन्य हिस्सों से आकर पढना संभव नहीं होगा। अतः इसे विकेंद्रीकृत केन्द्रों के माध्यम से सम्बद्ध कर चलाया जाय। इस कोर्स को त्वरित लाभ से भी जोड़ा जाए और सर्टिफिकेट एवं डिप्लोमा कोर्स को तो सिर्फ उन्हें ही दिए जाए जो पहले से ही इस लाइन में हो और यह उन्हें एक औपचारिक डाटाबेस में लाने के लिए एक प्रक्रिया की योजना के तहत हो। इन त्वरित लाभों में सर्टिफिकेट/डिप्लोमा/डिग्री लेने के बाद इनमें से जो स्वरोजगार अपनाना चाहते हैं उन्हें इंस्टिट्यूट से निकलते समय ही उद्योग आधार दिया जाय, उन्हें एमएसएमई का सर्टिफिकेट तुरंत दिया जाय, उन्हें प्राथमिक ऋण दिए जायं, कोर्स की शर्तों से सम्बद्ध जो भी कारीगर स्वरोजगार करना चाहें उन्हें तत्काल एक लाख रुपए औजार और मशीनरी हेतु एवं 50 हजार रुपए कार्यशील पूंजी के रूप में दिए जाए ताकि वह स्वरोजगार कर सकें। इसे क्रेडिट गारंटी CGTSME योजना के तहत दिया जाय। इसकी निगरानी व्यवस्था भी रखी जाय ताकि यह सुनिश्चित हो। जो बड़े पैमाने पर करना चाहते हों उन्हें CGTSME सुविधा वाला प्रतिभूति रहित प्रोजेक्ट ऋण क्रेडिट गारंटी योजना के तहत दिया जाय। इसकी निगरानी व्यवस्था भी रखी जाय ताकि यह बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों द्वारा सुनिश्चित हो। यदि हम ऐसा कर ले जाते हैं तो समझ जाइये की कुटीर उद्योग को नियमित करने में एक बड़ा कदम होगा। उत्तर प्रदेश सरकार ने इस दिशा में एक बढ़िया पहल किया है। विश्वकर्मा श्रम सम्मान के माध्यम से यदि इसका विस्तार पूरे देश में हो तो माइक्रो इकॉनमी मजबूत होगी साथ ही भारत की मैक्रो एवं सनातन अर्थशास्त्र दोनों को मजबूत करेगी।

– पी. जायसवाल

(लेखक आर्थिक, सामाजिक व राजनैतिक विषयों के विश्लेषक हैं।)

ग्रीनपैनल MDF के साथ नये जमाने का स्मार्ट कारपेंटर बनें।

ज़माना बदल रहा है। साइकिल से लेकर मोटरसाइकिल तक और खेतों में बैल से लेकर ट्रैक्टर आदि तक। निर्माण के क्षेत्र में भी बदलाव देखा जा सकता है। दुनिया भर में 80% से अधिक फर्नीचर उत्पाद एम.डी.एफ. से बनाए जाते हैं जबकि भारत में हम 20% पर हैं। यह स्मार्ट होने का समय है, अपनी खुद की पहचान बनाएं मॉडर्न कारपेंटरी की तरफ बढ़ें। ग्रीनपैनल के संग जुडें और एक स्मार्ट कारपेंटर बनें। उत्तम क्वालिटी, बेहतरीन फिनिश और पैसों की बचत, सब एक ही बोर्ड में मिले, तो सोचना कैसा। इस्तेमाल कीजिए ग्रीनपैनल एम.डी.एफ. और रहिए बेफिक्र।

ग्रीनपैनल एम.डी.एफ. की रेंज

क्लब एच.डी.एफ. – क्लब एच.डी.एफ. पानी, नमी, दीमक और फंगस प्रतिरोधक प्रोडक्ट है। यह मुख्यता मॉडयुलर किचन के लिए उपयोग में लाया जाता है।

एक्सटीरियर ग्रेड एम.डी.एफ. – एक्सटीरियर ग्रेड एम.डी.एफ. मज़बूत अलमारी, बेड, टीवी युनिट व अन्य घरेलु फर्नीचर बनाने में मुख्यता उपयोग होता है।

इंटिरियर ग्रेड एम.डी.एफ. – इंटिरियर ग्रेड एम.डी.एफ. वुड क्राफ्ट, फर्नीचर, जाली कटिंग, सी.एन.सी वर्क और अन्य साज–सजावट जैसी चीज़ें बनाने में मुख्यता उपयोग होता है।

कार्ब P2 एम.डी.एफ. – कार्ब P2 एम.डी.एफ. एक पर्यावरण अनुकूल प्राडक्ट है। यह मुख्यता अस्पताल, स्कूल और घरों में भी उपयोग में लाया जाता है।

प्री–लैमिनेटेड एम.डी.एफ. – प्री–लैमिनेटेड एम.डी.एफ. कई तरह के कलर और टैक्स्चर में उपलब्ध है और इसमें लैमिनेट एम.डी.एफ. के ऊपर पेस्ट होता है। जिससे अलग से लैमिनेट लगाने की जरुरत नहीं होती है और शानदार फर्नीचर तत्काल तैयार हो जाता है।

एम.डी.एफ. एक, उपयोग अनेक

घरेलू कार्य – सभी फर्नीचर, दरवाज़े की चौखट, मॉडयुलर किचन।

व्यापारिक निर्माण – दरवाज़े, पैनल, ऑफिस इंस्टालेशन।

GREENPANEL

India's Largest Wood Panel Manufacturer

	मज़बूत और किफायती	उत्पादन की कम लागत	बोर्ड की सही मोटाई का भरोसा	कई गुना बेहतरीन फिनिश	जानी मानी ब्रैंड का भरोसा	आफ़्टर सेल सर्विस
ग्रीनपैनल एम.डी.एफ.	✓	✓	✓	✓	✓	✓
लोकल प्लाईवुड	✗	✗	✗	✗	✗	✗

GREENPANEL®

स्मार्ट बनें,
आज पैसे बचाएं,
कल को बेहतर बनाएं।

ग्रीनपैनल MDF को चुनें,
35% तक की बचत करें।*

INDIA'S LARGEST WOOD PANEL MANUFACTURER

मज़बूत और टिकाऊ

जल प्रतिरोधक बोर्ड

ज़्यादा डेंसिटी वाला बोर्ड

फंगस प्रूफ और दीमक प्रतिरोधक

स्क्रू कसने में सुविधाजनक

5 *साल की वारंटी

मुख्य उपयोग : • किचन कैबिनेट्स • वार्डरोब • बाथरूम कैबिनेट्स • फर्नीचर • पार्टीशन और पैनलिंग

Greenpanel Industries Limited : 3rd Floor, Plot No. 68, Sector 44, Gurugram 122003, Haryana. T +91 124 4784600 | E info@greenpanel.com
www.greenpanel.com I Toll Free No. 1800 102 2999

*नियम और शर्तें लागू।

आर्किटेक्चर में दाखिले के लिए 12वीं में पीसीएम की अनिवार्यता खत्म

मुंबई। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (AICTE) ने इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों की बड़ी राहत प्रदान की है। एआईसीटीई ने एलान किया है कि अब

आर्किटेक्चर पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए कक्षा 12वीं में पीसीएम की पढ़ाई की अनिवार्यता नहीं रहेगी। यानी एआईसीटीई ने आर्किटेक्चर में दाखिले के लिए 12वीं में भौतिकी, रसायन विज्ञान या गणित (पीसीएम) आदि अब अनिवार्य विषय नहीं रहेंगे। इसके साथ ही अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) द्वारा जारी 2022-23 के लिए अनुमोदन प्रक्रिया पुस्तिका के अनुसार वास्तुकला या आर्किटेक्चर के स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित अब अनिवार्य विषय नहीं होंगे। वहीं अन्य दो पाठ्यक्रमों फैशन प्रौद्योगिकी और पैकेजिंग प्रौद्योगिकी में भी पीसीएम की अनिवार्यता खत्म कर दी गई है।

तकनीकी शिक्षा नियामक ने बीते साल कहा था कि जिन छात्रों ने 12वीं कक्षा में भौतिकी, रसायन विज्ञान या गणित (पीसीएम) नहीं पढ़े हैं तो भी वे इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी कार्यक्रमों में प्रवेश ले सकेंगे। एआईसीटीई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हमने प्रवेश प्रक्रिया पर सिफारिशें करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया था, जिनके लिए पीसीएम यानी फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ्स को वैकल्पिक विषय बनाया जा सकता है। इस पैनल की सिफारिशों के आधार पर उपरोक्त तीन पाठ्यक्रमों को चुना गया है।

इनमें से कोई भी तीन विषय होना जरूरी

हालांकि, फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ्स के अलावा जो विषय उपरोक्त तीनों पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए पात्र हैं, उनमें कंप्यूटर विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक्स, इंफोर्मेशन टेक्नोलॉजी, जीव विज्ञान, इंफोर्मेटिक्स प्रैक्टिस, जैव प्रौद्योगिकी, तकनीकी व्यावसायिक विषय, कृषि, इंजीनियरिंग ग्राफिक्स, व्यावसायिक अध्ययन और उद्यमिता आदि शामिल हैं।

लकड़ी के गुटकों से सज रहा गार्डन

उज्जैन। रचनात्मकता के साथ कुछ नया करने की इच्छा हो तो पुरानी या बेकार पड़ी सामग्री को न सिर्फ बहुउपयोगी बनाया जा सकता है बल्कि इससे सुविधा व सुंदरता भी बढ़ाई जा सकती है। नगर निगम पुराने खाली ड्रम, कटे वृक्षों के टुकड़े आदि का कुछ ऐसा ही उपयोग किया है जो उद्यानों में आने वालों के लिए आकर्षण के साथ आराम दिलाने की सुविधा भी बन गए हैं। निगम की इस पहल को सराहने के साथ ही इसे अन्य लोगों द्वारा अपनाया भी जा रहा है।

शहर के कुछ प्रमुख उद्यानों में कहीं लकड़ी के टुकड़े तो कहीं खाली ड्रम व लकड़ी से बनी कुर्सियां लोगों को आकर्षित कर रही हैं। नगर निगम द्वारा थ्री आर अंतर्गत यह नया प्रयोग किया गया है। इससे उद्यान में आने वाले लोगों को बैठने व कुछ समय आराम करने के लिए जगह मिल रही है, वहीं पार्क की खूबसूरती भी बढ़ रही है। दरअलस आंधी- तूफान के कारण कई वृक्ष धराशायी हो जाते हैं वहीं निगम को आवश्यकतानुसार भी वृक्षों की कटाई करना पड़ती है। यह वृक्ष निगम के उद्यानिकी विभाग अंतर्गत जमा होते हैं। अब तक इन वृक्षों का उपयोग अमूमन जलाऊ लकड़ी के लिए ही होता था लेकिन निगम अब इन्हें विभिन्न तरीकों से री-यूज कर रहा है। नई पहल करते हुए अब इन वृक्षों के टुकड़ों से कुर्सी सोफे तैयार कर उद्यानों में रखे जा रहे हैं जिससे लोगों को बैठने की सुविधा मिल पा रही है। उद्यानिकी विभाग प्रभारी विधु कौरव ने बताया कि जनसुविधा व सौंदर्यीकरण की दृष्टि से उद्यानों में लकड़ी से बनी कुर्सियां स्थापित की जा रही है। लकड़ी के गुटकों से इस तरह की कुर्सियां बनाई जा रही हैं जिस पर एक व्यक्ति बैठ सकता है। इन कुर्सियों को भी 5-8 फीट के अंतराल पर रखा जा रहा है। इससे उद्यान में सोशल डिस्टेंस का भी पालन हो रहा है। निगम की इस जुगाड़ का बड़ा फायदा खर्च में बचाव को लेकर भी है। लकड़ी उपलब्ध होने के कारण काफी कम लागत पर इनसे कुर्सियां तैयार हो रही है। इन्हें लगाने में भी किसी प्रकार का खर्च नहीं है। साथ ही टूट-फूट आदि झंझट नहीं होने से इनके देख रेख पर भी कोई खर्च नहीं होगा। लकड़ी से बने होने के कारण यह उद्यानों में पर्यावरण का ही हिस्सा नजर आते हैं।

आरा मिलों में हो रही कहवा लकड़ी की अवैध चिराई

रायपुर। राज्य सरकार ने कहवा (अर्जुन) की लकड़ी को औषधीय लकड़ी का दर्जा दिया है, लेकिन आरा मिल संचालक बेखौफ होकर कहवा लकड़ी की कटाई अपने आरा मिलों में कर रहे है। वन विभाग के अधिकारी आरा मिलों की जांच करने और दोषियों पर सख्त कार्रवाई करने का दावा करते है, लेकिन हकीकत विभागीय अधिकारियों के दावों से कोसों दूर है। प्रतिबंध के बावजूद जिले के आरा मिलों में प्रतिबंधित लकड़ी कहवा का खुलेआम आरा मिलों में कटाई करने के बाद फर्नीचर और कोयला बनाने में उपयोग किया जा रहा है। अभनपुर के लमकेनी गांव में 25 मार्च को मुखबिर की सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम ने आरा मिल में छापा मारकर भारी मात्रा में अवैध काष्ठ जब्त किया। अवैध काष्ठ संग्रहण व चिरान की शिकायत के आधार पर डीएफओ विश्वेश कुमार के निर्देश पर उप वनमंडलाधिकारी विश्वनाथ मुखर्जी की टीम ने कार्रवाई की थी। ग्राम लमकेनी स्थित आरा मिल में 35 घनमीटर कहवा लकड़ी जब्त किया गया है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार कहवा का बाजार मूल्य 5 से 7 लाख रूपए है। वनकर्मियों ने घटनास्थल से गाड़ियां भी जब्त किया है। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार रेंज टीम को हर माह 4 आरा मिलों की जांच का लक्ष्य रहता है। लगातार रेंज की टीम अवैध रुप से लकड़ी लाने वालों पर नजर रखते हुए कार्रवाई भी करती है। गरियाबंद, दुर्ग, महासमुंद और रायपुर जिले के लकड़ी तस्कर प्रतिबंधित पेड़ कहवा को काटकर उसे राजधानी के आरा मिलों में खपा रहे है।

इंटीरियर से संबंधित उत्पादों की चार दिवसीय प्रदर्शनी

भोपाल। आइडियल सोसायटी ऑफ इंटीरियर डिजाइनर्स सोसायटी द्वारा इंटीरियर से संबंधित उत्पादों की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। 11 से 14 मार्च तक रायल ट्रीट गार्डन, भारतीय विद्या भवन परिसर, एमपी नगर जोन-1 में आयोजित इस प्रदर्शनी का शुभारंभ चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने दीप प्रज्जवलित कर किया। उद्घाटन समारोह पर मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि इंटीरियर डिजाईनिंग खाली स्थान को कलात्मक, रचनात्मक और तकनीक के माध्यम से आकर्षक बनाने की कला सिखाता है। इंटीरियर डिजाइनिंग केवल घरों को सजाने तक सीमित नहीं है। अब अपार्टमेंट, कार्यालय, अस्पताल, होटल, आडिटोरियम समेत अन्य सार्वजनिक जगहों को भी इंटीरियर डिजाइनर की मदद से आकर्षक बनाया जा रहा हैं। यह एक अच्छा प्रयास है कि यहां एक ही छत के नीचे इतने सारे स्टाल लगे हैं। सोसायटी के अध्यक्ष सुयश कुलश्रेष्ठ ने बताया कि कोई भी व्यक्ति अपने घर का इंटीरियर चेंज करने का विचार कर रहा है और उसे बाजार में इंटीरियर से संबंधित उत्पादों को सर्च करने का वक्त नही मिल पा रहा है तो उसे ऐसे प्रदर्शनी में जरूर आना चाहिए। इस प्रदर्शनी में इंटीरियर डिजाइनर्स, इंजीनियर, आर्किटेक्ट, बिल्डिंग मैटीरियल डिजाइन के विशेषज्ञ मंच से लोगों से चर्चा कर उन्हें घर को सुंदर बनाने के सुझाव भी दिया गया।

विश्वकर्मा भगवान की मूर्ति का हुआ अनावरण

मधुबन। मर्यादपुर स्थित विश्वकर्मा मंदिर कमेटी की ओर से तीन दिवसीय यज्ञ का आयोजन किया गया। विश्वकर्मा जी के मूर्ति का अनावरण मुख्य अतिथि के रुप में पहुंचे कांग्रेस नेता राष्ट्र कुवर सिंह के द्वारा किया गया। उक्त मंदिर कमेटी द्वारा तीन दिवसीय यज्ञ का आयोजन किया गया। तीन दिवसीय कथा में कथावाचक साध्वी सुनीता शर्मा ने विश्वकर्मा भगवान के जीवनी पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने विश्वकर्मा समाज के उत्थान के लिए महिलाओं को आगे आने की अपील के साथ नशामुक्ति पर ध्यान देने की बातें कहीं। मंदिर के अध्यक्ष रामाधार विश्वकर्मा ने कहा कि समाज के लोगों ने इस यज्ञ कार्यक्रम में भरपूर सहयोग किया।

मेघा परमार स्कूबा डाइविंग करने वाली विश्व की पहली महिला

सीहोर। मध्य प्रदेश की सीहोर जिले के उलझावन गांव के नजदीक स्थित भोजनगर की रहने वाली मेघा परमार ने विश्व की सबसे ऊंची पहाड़ी एवरेस्ट को फतह करने के साथ स्कूबा डाइविंग करने वाली विश्व की पहली महिला बन गई हैं। मेघा ने 147 फीट की टेक्निकल स्कूबा डाइविंग कर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया है। मेघा अब विश्व की पहली महिला बन गई हैं जिन्होंने माउंट एवरेस्ट को फतह किया है और साथ-साथ टेक्निकल स्कूबा डाइविंग में समुद्र के अंदर 45 मीटर की गहराई तक डाइव की है।

मेघा परमार विश्व की पहली महिला हैं, जिन्होंने 4 महाद्वीप के शिखरों को फतह किया है। वे मध्य प्रदेश शासन के बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान की ब्रांड एंबेसडर भी हैं। मेघा परमार ने 2019 में माउंट एवरेस्ट फतह किया था और प्रदेश की पहली महिला बनी थीं। मेघा परमार ने ये रिकॉर्ड प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के ''बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ'' अभियान को समर्पित किया है।

स्कूबा डाइविंग के लिए मेघा परमार बीते डेढ़ साल से तैयारी कर रहीं थीं। उन्होंने हर दिन 8 घंटे प्रैक्टिस की और कुल 134 बार डाइविंग की। मेघा परमार ने

बताया कि मेरे पास भारत से बाहर जाकर ट्रेनिंग करने का विकल्प था, क्योंकि भारत में इसके लिए कोच नहीं मिलते इसलिए अर्जेंटीना से कोच वॉल्टर को भारत बुलाया गया। उन्होंने कहा कि इस सफलता के पीछे मैं ईश्वर की शक्ति और सभी स्पॉन्सर का धन्यवाद करती हूं, जिनके माध्यम से यह संभव हुआ है। उन्होंने बताया कि जब मैंने माउंट एवरेस्ट पर मध्य प्रदेश की बेटी के रूप में तिरंगा झंडा फहराया तो उस वक्त मन में संकल्प लिया था कि एक दिन देश की बेटी बनकर तिरंगा लहराऊं। मेरे मन में था कि पर्वत चढ़ लिया लेकिन अब समुद्र की गहराई में जाकर तिरंगा लहराऊं। मुझे पता चला कि इसके लिए टेक्निकल स्कूबा डाइविंग करनी पड़ेगी, जो बहुत कठिन होती है। लेकिन मेरे मन में दृढ़ संकल्प था, जिसे मैं अपनी मेहनत से पूरा करना चाहती थी।

जीवनजोड़ एडहेसिव की ओर से कांट्रेक्टर सम्मेलन

मुंबई। जीवनजोड़ एडहेसिव की ओर से कांट्रेक्टर सम्मेलन का आयोजन अंधेरी (पूर्व) स्थित बेटर हाल में किया गया। जीवनजोड़ एडहेसिव के मुंबई हेड विजय भारती ने विभिन्न उत्पादों की जानकारी देते हुए कहा कि जीवनजोड़ एडहेसिव अपनी बेहतर गुणवत्ता के लिए जाना जाता है। जीवनजोड़ एडहेसिव के सभी उत्पाद वर्षों से कारपेंटरों की पसंददीदा एडहेसिव है। इस अवसर जीवनजोड़ सुप्रीमों एडहेसिव की लांचिंग की गई। सम्मेलन में बड़ी संख्या में कांट्रेक्टर व कारपेंटर उपस्थित रहे। कांट्रेक्टर सम्मेलन में कंपनी के सेल्स आफिसर अतुल उपाध्याय, प्रवीण तिवारी, अमरजीत यादव, योगेश कोणकर, प्रिंस सिंह, सुमित सिंह, दीपक त्रिपाठी, जितेंद्र सिंह,नीरज सिंह, विशाल गौतम, पवन भारती, विकास राय आदि भी उपस्थित रहे।

भगवान विश्वकर्मा ने पूरी की मन्नत

जम्मू। श्री विश्वकर्मा लाइब्रेरी न्यू प्लाट जम्मू में विश्वकर्मा समाज के दो बच्चों को बैंकिंग में नौकरी हासिल कर शानदार प्रदर्शन के लिए स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। उससे पहले श्री विश्वकर्मा मंदिर में भगवान जी के चरणों में प्रसाद चढ़ा कर विशेष पूजा भी आयोजित हुई। बच्चों ने लाइब्रेरी को आर्थिक सहायता भेंट की और आने वाले समय में भी हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। बच्चों ने बताया कि उन्होंने श्री विश्वकर्मा भगवान से मन्नत मांगी थी कि हमें अच्छी नौकरी मिल जाय तो हम आपके सदैव आभारी रहेंगे। अब भगवान ने हमारी मनोकामना पूरी की है तो हमारी आस्था उम्र भर के लिए पक्की हो गई है। उन्होंने नई पीढ़ी से आह्वान किया कि वे श्री विश्वकर्मा भगवान पर आस्था रखें और उनकी कृपा से अपनी मनोकामना पूरी करें।

इन युवकों ने श्री विश्वकर्मा लाइब्रेरी की गतिविधियों को सराहते हुए कहा कि हम पहले से लाइब्रेरी के सदस्य हैं और आगे भी लाइब्रेरी को मजबूत करने में अग्रसर रहेंगे। श्री विश्वकर्मा लाइब्रेरी विद्यार्थी के लिए प्रेरणा का एक अच्छा स्रोत है। इस अवसर पर रमेश अंगोत्रा, जोगिंदर अंगोत्रा, महिंदर लाल, सुमन बाला, विमल किशोर, जयपाल चडगोत्रा, उर्मि वर्मा, बलवंत कटारिया आदि उपस्थित रहे।

12 अप्रैल को ओजोन प्रायोजित रंग बरसे

मुंबई। कारीगरों की सामाजिक संस्था कारपेंटर्स वेलफेयर एसोसिएशन व फर्नीचर फिटिंग निमार्ता ओजोन के संयुक्त तत्वाधान में होली स्नेह सम्मेलन 'रंग बरसे -2022' का आयोजन 12 अप्रैल 2022 को किया गया है। अपराह्न 4 बजे से उपनगर मालाड (पश्चिम) स्थित रुईया हाल में आयोजित इस समारोह में भाजपा मुंबई अध्यक्ष मंगल प्रभात लोढ़ा, भाजपा मुंबई उपाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी,भाजपा मुंबई प्रवक्ता अजय सिंह ,मध्य रेल के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी शिवाजी सुतार व ओमफर्न इण्डिया लि. के निदेशक राजेंद्र विश्वकर्मा बतौर सम्माननीय अतिथि उपस्थित रहेंगे। संस्था के अध्यक्ष वशिष्ठ नारायण विश्वकर्मा ने कहा कि कोरोना महामारी में हम सभी गंभीर संकट के दौर से गुजरे हैं। अब एक बार फिर हम सबको मिलकर आगे बढ़ने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि हर क्षेत्र में तेजी से बदलाव हो रहा है, हमारा प्रयास रहता है कि संस्था की ओर से आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से कारीगर भाईयों को व्यवसाय में नवीनता का नया मार्ग मिले। ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से हमें फर्नीचर क्षेत्र में हो रहे क्रांतिकारी परिवर्तनों के बारे में जानकारी मिलती है। इस अवसर पर प्रबुद्ध वक्ताओं द्वारा फर्नीचर कारीगरों का सामयिक मार्गदर्शन भी किया जायेगा। रंग बरसे समारोह में लोकगायक सुरेश शुक्ला फगुआ, बेलवरिया,चैती के साथ समसामयिक गीत प्रस्तुत करेंगे। कारपेंटर गुलाब फूलों की पंखुड़ियों को एक दूसरे पर उड़ाकर होली खेलेंगे। सम्मेलन में ओजोन के विभिन्न उत्पादों के बारे में भी जानकारी दी जाएगी।

आम की लकड़ी से नहीं बनती घर की चौखट

आम का पेड़ और पत्ते शुभता के प्रतीक माने जाते हैं। तीज त्योहार हो या कोई पूजा पाठ। शादी हो या मुंडन संस्कार, जब तक घर की चौखट पर आम की बंदनवार ना लगे, आम के पत्तों को पूजा के कलश पर ना रखा जाए, पूजा पाठ पूरी नहीं लगती। आम के पत्ते बहुत ही सात्विक माने गए हैं। ज्योतिष में आम के पेड़ को मंगल का कारक बताया गया है। यह मेष राशि का पेड़ माना जाता है और इसके पत्तों की बात करें तो सनातन धर्म में हर पूजा पाठ और मांगलिक काम में आम के पत्तों के बिना पूजा पूरी नहीं मानी जाती। हिंदु शास्त्रों में आम के पेड़ को दैवीय पेड़ कहा गया है। कहा जाता है कि आम के एक पेड़ को लगाने से संबंधित व्यक्ति की 14 पीढ़ियों को पुण्य मिलता है। हालांकि आम के पेड़ को घर और आंगन में नहीं लगाने की सलाह दी जाती। इसलिए इसे बाग या घर के आस पास कहीं लगाया जाना चाहिए।

कलश पर आम के पत्तों का महत्व

ज्योतिष शास्त्र में कलश स्थापना और घट स्थापना किसी भी पूजा और मांगलिक काम का सबसे बड़ा काम माना जाता है। जल से भरे कलश पर जब आम के पत्ते लगाए जाते हैं और उस पर नारियल रखा जाता है तो वो देव स्वरूप हो जाता है। कहा जाता है कि ये कलश पूजा पाठ में देवों की उपस्थिति का कारक होता है। आम के पत्तों को भगवान के अंग और नारियल को सिर के तौर पर देखा जाता है।

आम की लकड़ी से नहीं बनाये चौखट

कहा जाता है कि घर बनवाते वक्त आम की लकड़ी से दरवाजा या चौखट बिलकुल नहीं बनवानी चाहिए। चूंकि यह देवों का प्रतिनिधि पेड़ माना जाता है इसलिए चौखट पर लगने के बाद लोगों के पैर इससे ना छुएं, इसलिए आम की लकड़ी से दरवाजे, चौखट और फर्नीचर नहीं बनाने की सलाह दी जाती है।

कनाडा के बाजार में पहुंचा भारतीय केला

दिल्ली। भारतीय केले और बेबी कॉर्न के लिए बाजार पहुंच के मुद्दे पर भारत तथा कनाडा के राष्ट्रीय पौध संरक्षण संगठनों के बीच हुई बातचीत के परिणामस्वरूप इन वस्तुओं ने कनाडा के बाजार में अपनी पहुंच सुनिश्चित कर ली है।

सचिव (कृषि एवं किसान कल्याण) मनोज आहूजा और कनाडा के उच्चायुक्त कैमरून मैके के बीच हुई बैठक में कनाडा ने सूचित किया कि मक्का के लिए प्लांट प्रोटेक्शन इंपोर्ट एंड डोमेस्टिक मूवमेंट रिक्वायरमेंट्स और ऑटोमेटेड इम्पोर्ट रेफरेंस सिस्टम के अद्यतन के बाद भारत से कनाडा को ताजा बेबी कॉर्न का निर्यात अप्रैल 2022 से शुरू हो सकता है। इसके अलावा, भारत द्वारा ताजा केले के लिए प्रदान की गई तकनीकी जानकारी के आधार पर कनाडा ने भारतीय केले को कनाडा में निर्यात हेतु तत्काल प्रभाव से स्वीकृति दे दी है। कनाडा सरकार के इस निर्णय से इन फसलों को उगाने वाले भारतीय किसानों को अत्यधिक लाभ होगा और भारत की निर्यात आय में भी वृद्धि होगी।

श्री विश्वकर्मणे नमः

कारपेंटर्स वेलफेयर एसोसिएशन

द्वारा आयोजित

रंग बरसे 2022

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम

प्रायोजक

OZONE FOR A SAFER WORLD

सम्माननीय अतिथि

श्री मंगल प्रभात लोढ़ा, अध्यक्ष – भाजपा मुंबई

आचार्य पवन त्रिपाठी, उपाध्यक्ष – भाजपा मुंबई

श्री शिवाजी सुतार, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी – मध्य रेल

श्री राजेंद्र विश्वकर्मा, निदेशक – ओमफर्न इंडिया लि.

फाग व चैती गीतों का संगीतमय कार्यक्रम

गायक – श्री सुरेश शुक्ला एंड ग्रुप

मंगलवार, 12 अप्रैल 2022, समय – दोपहर 4 बजे से रात 8 बजे तक

समारोह स्थल

रुईया हाल, स्टेशन रोड, रेलवे क्रासिंग के पास, मालाड (पश्चिम), मुंबई - 400064.

निवेदक – श्री वशिष्ठनारायण विश्वकर्मा, अध्यक्ष – कारपेंटर्स वेलफेयर एसोसिएशन

संपर्क सूत्र – 9320566633 \ 9870703051 \ 9223475949

वेबसाइट: www-cwaindia-org, ईमेल: infocwaindia@gmail-com

(कार्यक्रम उपरांत भोजन की व्यवस्था है)

OZO STARS एक पहल, अपनों के साथ!

भारतीय रेल को मिला 'कवच'

मुंबई। एक समय था जब आए दिन ट्रेन हादसों की खबर सुनने को मिलती थी। लेकिन बीते कुछ समय से जहां रेलवे ने इन हादसों पर लगाम लगाने का काम किया है तो अब 'कवच' के जरिए सुरक्षा की दिशा में सबसे निर्णायक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। यह देश में विकसित एक ऐसी प्रणाली है, जिसके जरिए दो ट्रेन आमने-सामने आने पर खुद व खुद रुक जाती हैं। 4 मार्च के दिन इस ऐतिहासिक प्रणाली को परीक्षण किया गया और इस परीक्षण के दौरान रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव उस स्वचालित इंजन में सवार थे जो गुल्लागुडा से चिटगिड्डा की ओर जा रहा था। वहीं रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और सीईओ वी. के. त्रिपाठी उस स्वचालित इंजन पर सवार थे जो चिटगिड्डा से गुल्लागुडा जा रहा था।

परीक्षण के दौरान, दोनों इंजन आमने-सामने आ गए और टक्कर की स्थिति उत्पन्न की गई। हालांकि, 'कवच' प्रणाली ने स्वचालित ब्रेकिंग सिस्टम का इस्तेमाल शुरू किया और इंजनों को 380 मीटर की दूरी पर रोक दिया। इतना ही नहीं, इस दौरान लाल सिग्नल पार करने का भी परीक्षण किया गया। हालांकि, इंजन ने लाल सिग्नल को पार नहीं किया क्योंकि 'कवच' ने स्वचालित तरीके से ब्रेक लगाना आवश्यक कर दिया था। 'कवच' भारतीय उद्योग के सहयोग से अनुसंधान डिजाइन और मानक संगठन (आरडीएसओ) द्वारा विकसित किया गया है।

अब नहीं टकराएंगी ट्रेन

ट्रेन टक्कर सुरक्षा प्रणाली में दो ट्रेन अगर विपरीत दिशा से एक-दूसरे की तरफ आ रही हैं, फिर चाहे उनकी गति कितनी भी हो लेकिन 'कवच' के कारण ये दोनों ट्रेन आपस में नहीं टकराएंगी। साल 2022 के केंद्रीय बजट में भी 'कवच' तकनीक को लेकर घोषणा की गई थी। इसमें कहा गया था कि 2022-23 में देसी, विश्व स्तरीय प्रौद्योगिकी और क्षमता वृद्धि 'कवच' के तहत रेल मार्ग नेटवर्क में 2000 किलोमीटर जोड़ा जाएगा। भविष्य में लगभग 34,000 किलोमीटर नेटवर्क को 'कवच' के तहत लाया जाएगा। 'कवच' सबसे सस्ती, सम्पूर्ण सुरक्षा स्तर 4 (एसआईएल-4) प्रमाणित प्रौद्योगिकियों में से एक है। साथ ही, यह रेलवे के लिए स्वदेशी प्रौद्योगिकी के निर्यात के रास्ते खोलती है।

कारीगर पावर टूल्स की ओर से प्रीमियर लीग का आयोजन

हैदराबाद। 27 मार्च 2022 को नेक्स एरिना, हैदराबाद में कारीगर पावर टूल्स द्वारा एक क्रिकेट टूनार्मेंट 'कारीगर प्रीमियर लीग' का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विशेष रूप से कारपेंटर, इलेक्ट्रीशियन, प्लंबर के लिए आयोजित किया गया था। पांच टीमों के बीच असाधारण खेल और खिलाड़ियों के उल्लेखनीय प्रदर्शन के बाद टीम इलेक्ट्रीशियन ने ओपनिंग टूनार्मेंट जीता। विजेता टीम के प्रत्येक खिलाड़ी के लिए एक ट्रॉफी और पदक दिया गया। टूनार्मेंट के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज कुलदीप सिंह राठौर को टीम कारीगर की ओर से पुरस्कृत किया गया। टीम इलेक्ट्रीशियन की ओर से सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज और मैन ऑफ द मैच (फाइनल) का पुरस्कार क्रमशः कैजान और देवेंद्र को दिया गया। उन्हें प्रत्येक को एक कारीगर टूल किट से पुरस्कृत किया गया।

फाइनल मैच टीम कारीगर और टीम इलेक्ट्रीशियन के बीच खेला गया। टीम कारीगर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 ओवर में 34 रन बनाए। टीम इलेक्ट्रीशियन ने 5 वें ओवर में लक्ष्य का पीछा करते हुए टूनार्मेंट जीत लिया।

कारीगर पावर टूल्स

लकड़ी काटने के लिए उन्नत उपकरण

प्रति वर्ष 21 मार्च को आयोजित होने वाला विश्व लकड़ी दिवस समारोह मानव सभ्यता को वापस प्रकृति की ओर ले जाता है, जिसने मनुष्य को अपना पहला घर बनाने का मार्ग प्रशस्त किया। आखिरकार, लकड़ी का उपयोग निर्माण सामग्री, कागज, हथियार, उपकरण, फर्नीचर आदि बनाने के लिए किया गया, जिससे उद्योग की मांग और उद्देश्य को पूरा करने के लिए नवाचार जोड़ा गया।

ये शक्तिशाली और कुशल उपकरण हैं

- लकड़ी क्राफ्टिंग के लिए सबसे अच्छा विकल्प
- लकड़ी के लट्ठे काटना
- लकड़ी का सरफेसिंग
- उत्पादकता और दक्षता बढ़ाए
- समय और पैसा बचाता है

CARIGAR®
PROFESSIONAL POWER TOOLS

लकड़ी को व्यापक रूप से एक महान प्राकृतिक संसाधन माना जाता है जो पर्यावरण के अनुकूल और नवीकरणीय जैव सामग्री है। प्लाईवुड, लकड़ी के फूस और लकड़ी जैसे उत्पाद लकड़ी के कच्चे माल से बने होते हैं। लकड़ी के उत्पादों को पुनर्नवीनीकरण किया जा सकता है, इस प्रकार इसकी भविष्य की आपूर्ति को बिना किसी कमी के बढ़ाया जा सकता है।

लकड़ी किसी देश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। परिवहन, वाणिज्यिक, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, उपयोगिता, आवासीय और अन्य उद्योगों में लकड़ी का बढ़ता उपयोग विश्व स्तर पर लकड़ी के बाजार के विकास को चला रहा है। पिछले 100 वर्षों में लकड़ी उद्योग ने नए उपकरणों के साथ एक महत्वपूर्ण क्रांति देखी है। पहले पारंपरिक औजारों का उपयोग मुख्य रूप से लकड़ी से संबंधित चीजों को काटने, शिल्प करने और डिजाइन करने के लिए किया जाता था।2022 तक ग्लोबल वुडन इंडस्ट्री में पावर टूल्स की हिस्सेदारी बढ़ी है। बिजली उपकरणों का लाभ यह है कि यह उत्पादकता, दक्षता और गुणवत्ता को बढ़ाता है और लकड़ी काटने के पारंपरिक उपकरणों की तुलना में लंबे समय तक खपत को कम करता है। आज दुनिया एक अलग रास्ते पर चल रही है, जहां लकड़ी-उद्योग से जुड़े पेशेवर बिजली उपकरण का उपयोग करते हैं जो अधिक विश्वसनीय, टिकाऊ और समय बचाने वाले होते हैं। लकड़ी काटने के लिए इन उन्नत उपकरणों को बहुमुखी सेवा के लिए अत्याधुनिक तकनीक के साथ डिजाइन और निर्मित किया गया है।

नवीनतम लकड़ी उद्योग की मांग को पूरा करने के लिए भारत में एक उभरती और आशाजनक पावर टूल्स कंपनी कारीगर, इलेक्ट्रिक प्लानर, इलेक्ट्रिक राउटर, जिग सॉ और चेन सॉ जैसे बाजार में सर्वश्रेष्ठ लकड़ी के अनुप्रयोग उपकरण प्रदान करती है।

कारपेन्टर/कोन्ट्राक्टर भाइयों के लिये टोकन / कटर मशीन / ड्रील मशीन ऑफर

EURO 7000
SYNTHETIC WOOD ADHESIVE

ड्रम पैक साइज
800 Gm X 70 Pouches

ड्रम पैक	ऑफर
यूरो एडहेसिव WP 2IN1 के एक ड्रम पर पाइये स्पेशल ऑफर 800 Gm X 70 Nos	15 Rs. टोकन / पाउच अथवा कटर मशीन अथवा ड्रील मशीन

15 Rs/- टोकन / पाउच

अथवा

अथवा

कैसा हो घर का मुख्य द्वार

वास्तु से जुड़ी कई बातों को फॉलो करके घर के मुख्य द्वार से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश कराया जा सकता है। यदि घर में अधिक सकारात्मक ऊर्जाएं प्रवेश कर रही हैं तो घर में समृद्धि आ जाती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर का मुख्य द्वार न केवल परिवार के लिए बल्कि ऊर्जा के लिए भी प्रवेश बिंदु होता है। प्रवेश द्वार के लिए सबसे अच्छी दिशा उत्तर, उत्तर-पूर्व, पूर्व या पश्चिम दिशा है जो घर और घर के लोगों के लिए शुभ मानी जाती है और घर में सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह को बढ़ाती है। मुख्य द्वार दक्षिण, दक्षिण-पश्चिम, उत्तर-पश्चिम या दक्षिण-पूर्व दिशाओं में नहीं होना चाहिए। लेकिन यदि घर का मुख्य द्वार दक्षिण दिशा की तरफ खुलता है तो इसे भी वास्तु के कुछ नियमों से ठीक किया जा सकता है। जैसे दक्षिण की ओर प्रवेश द्वार होने पर घर के बाहर एक बगीचा जरूर बनाएं।

● **मुख्य द्वार बड़ा हो**

घर का मुख्य दरवाजा घर के अन्य दरवाजों की तुलना में ज्यादा बड़ा होना चाहिए और यह हमेशा घड़ी की दिशा में खुलना चाहिए। कभी भी मुख्य द्वार के समानांतर एक ही पंक्ति में तीन दरवाजे लगाने से बचें, क्योंकि यह एक गंभीर वास्तु दोष माना जाता है और घर में खुशियों को प्रभावित कर सकता है। एक ही पंक्ति में तीन दरवाजे घर में नकारात्मक ऊर्जा के प्रवेश को बढ़ावा देते हैं और घर के मुखिया के लिए समस्याओं का कारण बनते हैं। मुख्य द्वार अन्य दरवाजों से बड़ा होने के साथ लकड़ी से बना होना चाहिए। मुख्य द्वार कभी भी क्षतिग्रस्त यानी कि टूटा हुआ नहीं होना चाहिए। यदि कोई भी ऐसा दरवाजा है तो उसे तुरंत बदल लेना चाहिए नहीं तो धन की हानि होती है। घर का मुख्य द्वार क्षतिग्रस्त होने पर वास्तु दोष होगा और आपके धन पर नकारात्मकता आएगी।

● **नेम प्लेट**

नेम प्लेट एक ऐसी चीज है जिसे आपके घर के मुख्य द्वार में ही कोई व्यक्ति सबसे पहले देखता है। इसलिए वास्तु के अनुसार यह आकर्षक होनी चाहिए और आपके घर आने वालों को एक अच्छी वाइब देनी चाहिए। इसलिए नेमप्लेट बनवाते समय और मुख्य द्वार पर लगाते समय हमेशा वास्तु का ध्यान देना चाहिए।

● **पौधे और सजावट**

मुख्य द्वार के पास मनी प्लांट और पीली रोशनी शुभ और बहुत महत्वपूर्ण है। मनी प्लांट समृद्धि को आमंत्रित करता है और पीली रोशनी सूर्य के प्रकाश से जुड़ी होती है। जिसका उपयोग आपके घर के प्रवेश द्वार पर किया जा सकता है। इसलिए मुख्य द्वार पर पौधे जरूर रखें।

● **मुख्य द्वार का कलर**

घर के प्रवेश द्वार के लिए आकर्षक रंगों का उपयोग आपके मेहमानों पर पहली छाप बनाते हुए एक शानदार माहौल तैयार कर सकता है। अधिकांश लोग सकारात्मक ऊर्जा को आमंत्रित करने के लिए घर के प्रवेश द्वार को विशेष रूप से डिजाइन करने के लिए वास्तु दिशानिदेर्शों का पालन करना पसंद करते हैं।

स्वरोजगार. कड़कनाथ मुर्गी का पालन बना आय का जरिया

मुंगेली। जिले के विकासखंड लोरमी के ग्राम झझपुरीकला के गौठान में कार्यरत गायत्री महिला स्व सहायता समूह की महिलाओं के लिए कड़कनाथ मुर्गी का पालन आय का जरिया बन गया है। समूह की महिलाएं कड़कनाथ मुर्गी से प्राप्त अंडे का विक्रय कर लगभग 900 रुपए प्रतिदिन आमदनी प्राप्त कर रही हैं। गायत्री महिला स्व सहायता समूह की महिलाओं ने बताया कि समूह में लगभग 10 महिलाएं कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि ग्राम झझपुरीकला में गौठान स्वीकृति उपरांत सामुदायिक मुर्गी शेड का निर्माण किया गया एवं मुर्गी पालन हेतु ग्राम गौठान समिति द्वारा उनकी समूह का चयन किया गया तथा मुर्गी पालन का कार्य दिया गया। इसके साथ ही जिला प्रशासन द्वारा मनरेगा से शेड एवं डीएमएफ मद से कुक्कुट आहार तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं प्रदान की गई है। पशु धन विकास विभाग द्वारा प्रशिक्षण उपरांत बैकयार्ड कुक्कुट पालन योजना अंतर्गत 450 कड़कनाथ के चूजे व चूजे के लिए पांच माह का आहार प्रदाय किया गया। समूह की महिलाओं ने बताया कि लगभग 5 माह होने के

उपरांत अतिरिक्त नर मुर्गों का विक्रय किया गया। समूह के पास वर्तमान में 150 मुर्गियां एवं 20 मुर्गे उपलब्ध है। सभी 150 मुर्गियां अंडे प्रदाय योग्य हो गई हैं और प्रतिदिन समूह को 55 से 60 अंडे प्राप्त हो रही है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में कड़कनाथ के अंडों की अत्यधिक मांग होने से 15 रूपए प्रति नग की दर से अंडों का विक्रय समूह के सदस्यों द्वारा किया जा रहा है, जिससे वर्तमान में समूह को लगभग 900 रूपए प्रतिदिन की आमदनी प्राप्त हो रही है। समूह की महिलाओं ने बताया कि वर्तमान में स्वयं के व्यय से 200 अतिरिक्त चूजे खरीदकर व्यवसाय बढ़ाने का कार्य भी प्रारंभ किया गया है।

स्वास्थ्य

गर्मी में तरोताजा रखता है सत्तू का शरबत

सत्तू को गर्मियों के मौसम में खूब पसंद किया जाता है। सत्तू से बने ड्रिंक का इन दिनों खूब सेवन किया जाता है, ये देसी ड्रिंक न केवल शरीर को प्रोटीन और पोषक तत्व पहुंचाने का काम करता है बल्कि गर्मियों की हीट से बचाने और शरीर को तरोताजा रखने में भी मदद करता है। सत्तू शरबत को नमकीन या मीठा अपनी पसंद के हिसाब से बनाया जा सकता है। सत्तू दो प्रकार के होते हैं एक है चने का सत्तू और दूसरा है जौ मिला सत्तू। दोनों को भून और पीस कर सत्तू बनाया जाता है। सत्तू में मिनरल्स, आयरन, मैग्नीशियम और फॉस्फोरस पाया जाता है, जो आपके शरीर की थकान मिटाकर आपको इंस्टेंट एनर्जी देने का काम करता है। जिससे शरीर ताकतवर बनता है।

● **सामग्री** – चने का सत्तू - आधा कप, पुदीना के पत्ते 10, नीबू का रस 2 चम्मच, हरी मिर्च आधी, भूना जीरा आधा छोटी चम्मच, काला नमक स्वादानुसार, छोटी चम्मच नमक स्वादानुसार इन सभी चीजों को अच्छी तरह मिक्स करें, इस तरह सत्तू नमकीन शरबत तैयार है।

● **सत्तू शरबत के फायदे**

● **डिहाइड्रेशन** – सत्तू की तासीर ठंडी होती है, जिसकी वजह से गर्मियों में इसका सेवन करने से लू और डिहाइड्रेशन की समस्या नहीं होती। सत्तू का शरबत पीने से पेट और शरीर को ठंडा रखा जा सकता है।

● **एनर्जी**

सत्तू का शरबत एनर्जी को बूस्ट करने में मददगार है। सत्तू में बहुत से मिनरल्स जैसे आयरन, मैग्नीशियम और फॉस्फोरस जैसे गुण पाए जाते हैं जो शरीर को एनर्जी देने में मदद कर सकते हैं।

● **मोटापा**

सत्तू में फाइबर अच्छी मात्रा में होता है, जो आपके पेट को लंबे समय तक भरा हुआ एहसास कराने का काम करता है। वजन कम करने के लिए सत्तू शरबत का सेवन किया जा सकता है।

● **कब्ज**

कब्ज की समस्या है तो सत्तू को डाइट में शामिल किया जा सकता है। सत्तू में पाए जाने वाले गुण कब्ज की समस्या से निजात दिलाने में मदद करता है।

● **लिवर**

सत्तू प्रोटीन का बढ़िया स्त्रोत है, इसका सेवन करने से पेट की गड़बड़ियों को भी ठीक किया जा सकता है। इसे खाने या पिने से लिवर मजबूत होता है और एसिडिटी की समस्या दूर होती है।

जायका इंडिया का

कटहल फ्राई

गर्मियों के मौसम की शुरूआत होते ही बाजारों में कटहल नजर आने लगती है। कटहल सेहत के लिए जितनी फायदेमंद होती है इसकी सब्जी भी उतनी ही स्वादिष्ट लगती है। कटहल फ्राई का स्वाद भी लाजवाब होता है। अगर कहटल खाना पसंद करते हैं तो लंच या डिनर में कटहल फ्राई का मजा ले सकते हैं। कटहल को काटना जितना चुनौतीपूर्ण काम होता है, कटहल फ्राई के बेहतरीन स्वाद के बाद ये सारी मेहनत सफल होती नजर आती है।

सामग्री – कटहल 1/2 किलो, प्याज 2, टमाटर 2, जीरा 1/2 टी स्पून, हरी मिर्च कटी 2, धनिया पाउडर1 टी स्पून, लाल मिर्च पाउडर 1/2 टी स्पून, हींग 1 चुटकी, हल्दी 1/4 टी स्पून, अदरक कद्दूकस 1 टी स्पून, गरम मसाला 1 टी स्पून, तेल 4 टेबलस्पून, नमक स्वादानुसार

विधि – कटहल फ्राई बनाने के लिए सबसे पहले कटहल को काट लें और उसे साफ पानी से धो लें। इसके बाद एक कड़ाही में तेल डालकर मीडियम आंच पर गर्म करने के लिए रख दें। जब तेल गर्म हो जाए तो उसमें कटहल डाल दें और तब तक फ्राई करें जब तक कि वह आधा नहीं फ्राई हो जाता। अब हाफ फ्राई कटहल को एक प्लेट में निकाल लें। इसके बाद प्याज, हरी मिर्च को बारीक काट लें और कद्दूकस अदरक के साथ मिक्सी में डालकर बारीक पीस लें। इसी तरह टमाटर को भी पहले बारीक काट लें फिर मिक्सी में पीस लें। इसे एक बाउल में निकालकर अलग रख दें। अब एक कड़ाही में थोड़ा सा तेल डालकर उसे मीडियम आंच पर गर्म करें। जब तेल गर्म हो जाए तो उसमें जीरा और हींग डालकर करछी से चलाएं. इसके बाद इसमें प्याज का तैयार किया पेस्ट डालकर कुछ देर तक पकाएं। फिर इसमें टमाटर का पेस्ट और धनिया पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और हल्दी, गरम मसाला डालकर मिक्स करें।

इस मिश्रण को तब तक पकने दें जब तक कि ग्रेवी तेल न छोड़ने लग जाए। इसके बाद कड़ाही में हाफ फ्राई किए कटहल डाल दें और उसमें स्वादानुसार नमक मिक्स कर करछी की मदद से चलाएं। इसे 5 मिनट तक पकने दें। इस दौरान कड़ाही को ढक दें। कटहल फ्राई को तब तक पकाना है जब तक कि कटहल के टुकड़े चम्मच से दबाने से ही टूटने न लग जाएं। जब ऐसा होने लगे तो गैस बंद कर दें। कटहल फ्राई में हरा धनिया डालें और इसे मिक्स कर एक मिनट तक और पकने दें। डिनर के लिए स्वादिष्ट कटहल फ्राई तैयार हो चुकी है। इसे रोटी या पराठे के साथ सर्व करें।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक-गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा द्वारा 306, दिघे नगर को आप हाउसिंग सोसायटी, फितवाला रोड, एलफिन्स्टन (वेस्ट), मुंबई-40013 से प्रकाशित एवं एस आर पब्लिकेशन, मोहन अर्जुन कम्पाउंड, गाला नम्बर-8, 9, 10, घर्टनपाढा, वैशाली नगर लास्ट बस स्टॉप, नियर भारत गैस गोडाउन, दहिसर (ईस्ट), मुंबई- 400068 से मुद्रित। संपादक - गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा* RNI NO. MAHHIN/2005/16460 मो. 09320566633. (सभी विवादों का निपटारा न्यायक्षेत्र केवल मुंबई न्यायालय के अधीन होगा. *पी. आर. बी. अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

नीतू ने बेटे पर बरसाया प्यार

नीतू कपूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अपनी फोटोज और वीडियोज फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। नीतू ने रणबीर कपूर के साथ फोटो शेयर की है जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की शादी की खबरें खूब सुर्खियों में हैं। दोनों की शादी को लेकर रोज नए अपडेट आते रहते हैं। अब शादी की इन खबरों के बीच रणबीर की मां नीतू कपूर ने उनके लिए एक पोस्ट किया है। नीतू ने रणबीर कपूर के साथ फोटो शेयर की है और इसके साथ एक्टर पर अपना प्यार जाहिर किया है। फैंस नीतू की इस पोस्ट पर खूब प्यार बरसा रहे हैं। दोनों मां-बेटे की जोड़ी फैंस को बहुत पसंद आ रही है।

अमिताभ ने की निमरत कौर की एक्टिंग की तारीफ

फिल्म दसवीं में निमरत कौर को उनकी एक्टिंग के लिए जमकर वाहवाही मिल रही है। सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने भी उनकी तारीफ की है। अमिताभ से तारीफ पाकर निमरत कौर भी खुश हैं। निमरत पिछले कई इंटरव्यू में अमिताभ बच्चन की तारीफ कर चुकी हैं। अब अमिताभ ने फिल्म दसवीं में निमरत कौर की दमदार एक्टिंग के लिए उन्हें अपने हाथ से एक नोट लिखा है, जिसमें उन्होंने निमरत के असाधारण काम की तारीफ की है। निमरत ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अमिताभ बच्चन से मिले एक हस्तलिखित नोट और फूलों के गुलदस्ते की तस्वीरें साझा कीं। साथ ही उन्होंने अपना भी एक नोट शेयर किया जिसमें उन्होंने अमिताभ बच्चन को शुक्रिया कहा है। अमिताभ ने लिखा है, 'हमारी शायद ही कोई बातचीत या बैठक हुई है। आखिरी बार मैंने आपकी तारीफ कैडबरी के ऐड के लिए वाईआरएफ के एक कार्यक्रम में की थी। लेकिन दसवीं में आपका काम असाधारण है- एक्टिंग में बारीकियां, हावभाव, सब तारीफ के काबिल है! इसके लिए आपको बधाई।' निमरत द्वारा शेयर किए गए इस नोट पर हरिवंश राय बच्चन की कविता वाला एक सुनहरा लिफाफा और बच्चन का बी लिखा हुआ देखा जा सकता है। अभिताभ के इस नोट का एक्ट्रेस ने आभार जताया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'अमिताभ बच्चन सर आपको मेरा सहप्रेम, अनंत धन्यवाद। आज अल्फाज और भावनाएँ, दोनों कम पड़ रही हैं। आपका यह स्नेहपूर्वक पत्र आजीवन मुझे प्रेरित करता रहेगा और आपके इस अमूल्य गुलदस्ता रूपी आशीर्वाद की महक मेरी ज़िंदगी के हर कदम पर बनी रहेगी। आपसे मिली इस शाबाशी से एक चुप्पी महसूस हो रही है, जैसे किसी विशाल पर्वत या प्राचीन मंदिर के सामने होती है। आपकी श्रद्धापूर्वक, सदैव आभारी, निमरत।

उम्र को लेकर भड़की रानी चटर्जी

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की अभिनेत्री रानी चटर्जी इंडस्ट्री की टॉप अभिनेत्रियों में शुमार हैं। अपने अभिनय के साथ ही एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। अभिनेत्री आज जिस मुकाम पर हैं,वहां पहुंचने के लिए उन्होंने काफी मेहनत की है। एक समय ऐसा भी था, जब एक्ट्रेस अक्सर अपने वजन को लेकर सोशल मीडिया पर ट्रोल की जाती थी। लेकिन एक्ट्रेस ने बाद में अपनी मेहतन और लगन से अपना बॉडी ट्रॉन्सफॉर्मेशन किया था। हालांकि बावजूद इसके एक्ट्रेस आए दिन सोशल मीडिया पर ट्रोल होती नजर आती हैं। इसी क्रम में हाल ही में अभिनेत्री एक बार फिर सोशल मीडिया पर ट्रोल्स के निशाने पर आई है।

एक्ट्रेस को हाल ही में सोशल मीडिया पर उनकी एज को लेकर जमकर ट्रोल किया गया था। उम्र को लेकर ट्रोल हुईं एक्ट्रेस ने इस पर अपनी नाराजगी जाहिर की है। रानी चटर्जी ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर करते हुए ना सिर्फ गूगल पर अपनी गलत उम्र बताने पर भड़ास निकाली बल्कि मीडिया की भी क्लास लगाई। अभिनेत्री ने अपनी स्टोरी के जरिए सोशल मीडिया यूजर्स को पर तंज कसते हुए कहा कि लोगों का बस चले तो वह उन्हें उनकी मां से भी बड़ा बता दें। रानी ने अपनी स्टोरी में लिखा कि गूगल पर अपनी एज को लेकर न्यूज देखती रहती हूं लेकिन मैं हैरान हूं कि मीडिया वाले थोड़ा सा होमवर्क करके न्यूज क्यों नहीं बनाते।

उर्फी ने साड़ी पहन दिखाईं दिलकश अदाएं

उर्फी जावेद मॉडलिंग से लेकर टीवी सीरियल और बिग बॉस जैसे रियलिटी शोज तक में नजर आ चुकी हैं। वह अपने काम से ज्यादा आउफिट को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा में रहती हैं। उर्फी जावेद अपने फैशन सेंस से लोगों को हमेशा हैरान कर देती हैं। वह अक्सर कुछ ऐसा ही पहनकर सामने आ जाती हैं या फिर कोई न कोई ऐसी तस्वीर वीडियो शेयर कर देती हैं, जिसे देखकर कई बार लोग अपना माथा पकड़ लेते हैं। इसी वजह से उन्हें काफी ट्रोल भी किया जाता है, लेकिन वह इस बात पर ज्यादा ध्यान नहीं देती हैं। हालांकि कई बार उर्फी जावेद सिंपल आउटफिट में भी दिखाई देती हैं। अपनी हर ड्रेस में जबरदस्त बोल्डनेस दिखाने वाली उर्फी जावेद इस बार साड़ी पहन पल्लू लहराती दिखाई दे रही हैं।

इंस्टाग्राम पर अपनी नई पोस्ट में उर्फी ने एक छोटी वीडियो क्लिप शेयर की है, जिसमें वह पिंक स्लीवलेस ब्लाउज और व्हाइट पिंक प्रिंटेड साड़ी में दिखाई दे रही है। इस दिलकश अंदाज में उर्फी बेहद खूबसूरत लग रही है। उर्फी जावेद ने लाइट मेकअप के साथ अपने बालों को कर्ली करवाया हुआ है। इस वीडियो को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा है कि बेगम बगैर बादशाह किस काम का, बादशाह बगैर बेगम किस काम की।

उर्फी जावेती की इस नई पोस्ट पर इस बार भी यूजर्स जमकर कमेंट कर रहे हैं और हमेशा की तरह जहां कुछ लोग उनकी तारीफ कर रहे हैं तो वहीं कुछ उन्हें ट्रोल करते दिखाई दे रहे हैं।

सौम्या टंडन का बोल्ड अंदाज

सौम्या टंडन ने इंस्टाग्राम पर अपनी हालिया बोल्ड फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की है। इसमें उन्हें डिजाइनर स्लीवलेस गाउन पहने देखा जा सकता है। तस्वीरों में उनके बाल बंधे हुए हैं और वह कैमरे की ओर देख रही हैं। सौम्या टंडन की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर वायरल हो गई है। कई लोग इस पर अमेजिंग, ब्यूटीफुल, नाइस, एलीगेंट, गोरी मैम जैसे कमेंट कर रहे हैं। कई लोगों ने इस पर दिल और आग की इमोजी भी शेयर की है'

सौम्या टंडन भाभी जी घर पर है शो में अहम भूमिका निभाती थी। उनकी भूमिका को काफी पसंद किया जाता था। उनके शो छोड़ने के बाद इस भूमिका को नेहा पेंडसे निभाती थी। हालांकि अब उन्होंने भी यह शो छोड़ दिया है और अब अनिता भाभी की भूमिका विदिशा श्रीवास्तव निभा रही हैं। इसके पहले सौम्या टंडन ने हॉट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर थी, जिसे लेकर भी फैंस उत्साहित हो गए थे। कई फैंस ने इस पर भी कई कमेंट किए थे। वह जल्द कई शो में नजर आने वाली है। सौम्या टंडन के इंस्टाग्राम पर 11 लाख फॉलोअर्स है। इसके चलते उनके फैंस भी काफी उत्साहित रहते है। सौम्या टंडन ने कई कलाकारों के साथ काम किया है।

सामंथा को नागा की आई याद

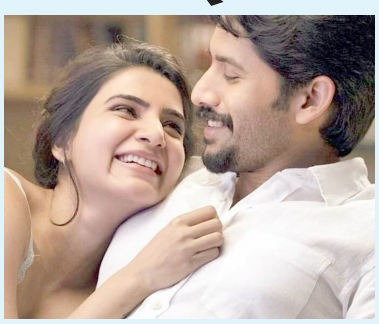

साउथ एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु का पिछले साल अक्तूबर में नागा चैतन्य के साथ तलाक हो गया था। पति से अलग होने के बाद सामंथा ने इंस्टाग्राम से नागा के साथ अपनी सारी फोटोज भी डिलीट कर दी थी। अब तलाक के इतने महीने बाद सामंथा ने नागा के साथ अपनी एक तस्वीर पोस्ट की है। इस तस्वीर को देखने के बाद फैंस अंदाजा लगा रहे हैं कि दोनों के बीच सब कुछ ठीक हो गया है। एक्ट्रेस ने माजिली फिल्म के तीन साल पूरे होने पर एक फोटो शेयर की है। यह फिल्म 5 अप्रैल 2019 में रिलीज हुई थी। ये फिल्म सामंथा और नागा की एक साथ चौथी फिल्म थी और शादी के बाद पहली। बीते कुछ समय सामंथा के लिए मुश्किलों से भरे रहे हैं। उन्होंने हाल ही में बताया था कि नागा चैतन्य से तलाक के बाद उन्हें लगा था कि वे मर जाएंगी। सामंथा ने कहा था मुझे हैरानी है कि मैं कितनी मजबूत थी। मुझे लगा था मैं बहुत कमजोर व्यक्ति हूं। मैंने सोचा था कि अलग होने से मैं टूट जाऊंगी और मर जाऊंगी। मुझे नहीं लगता था कि मैं इतना मजबूत होने में सक्षम थी। आज मुझे बहुत गर्व है कि मैं कितनी मजबूत हूं क्योंकि मैं वास्तव में नहीं जानती कि ये मैं ही हूं।

OZONE®
FOR A SAFER WORLD

किचन में जितनी भी उठा पटक हो

हम सब संभाल लेंगे

50,000* साइकल्स टेस्टेड

20 देशों में उपलब्ध

कटलरी ऑर्गनाइज़र

एर्गोटेक स्लिम ड्रावर सिस्टम

मैजिक कॉर्नर यूनिट

हैवी ड्यूटी बाई-फोल्ड लिफ्ट-अप सिस्टम

*T&C APPLY

WWW.OZONE-INDIA.COM | INDIA CUSTOMER CARE: 09310012300 | CUSTOMERCARE@OZONE-INDIA.COM | FOLLOW US ON